आषाढ़ शुक्ल पक्ष -12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 28 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

18 जुलाई 2024 गुरुवार

आज का मौसम

32 अधिकतम

24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

नीट पेपर लीकः दोबारा परीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के पहले सीबीआई को बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली , एजेंसी।

नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर जारी मामले में आज सुप्रीम कोर्ट अहम सुनवाई कर रहा है। सर्वोच्च अदालत उन 40 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें परिणाम रद कर परीक्षा दोबारा कराने की मांग की गई है। वहीं, सरकार का कहना है कि परीक्षा दोबारा कराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बहुत बड़े स्तर पर धांधली नहीं हुई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सुनवाई की शुरुआत में चीफ जस्टिस ने माना कि यह एक गंभीर मामला है और लाखों छात्र फैसले का इंतजार कर रहे हैं। दोबारा परीक्षा के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि साबित करिए कि पेपर लीक हुआ था। दोबारा परीक्षा का आदेश देने के लिए ठोस वजह होना चाहिए। सुनवाई शुरू होते ही मामले में सीबीआई की कार्रवाई के बारे में भी कोर्ट को बताया गया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले आज सीबीआई का बड़ा एक्शन देखने को मिला। सीबीआई ने सुबह पटना में छापा मारा और एम्स पटना के तीन छात्रों को हिरासत में लिया। इनसे पूछताछ जारी है। डॉक्टरों के कमरों को सील कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि सीबीआई पेपर लीक गिरोह के सॉल्वर्स कनेक्शन तक पहुंच गई है और इस मामले में इस केंद्रीय जांच एजेंसी ने पटना एम्स के चार डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। इनमें तीन डॉक्टर चंदन सिंह, कुमार शानू और राहुल आनंद 2021 बैच के मेडिकल स्टूडेंट्स हैं, जबकि एक डॉक्टर करण जैन सेकेंड ईयर का स्टूडेंट है। इनका लैपटॉप और मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

कोर्ट ने कहा- दोबारा परीक्षा आदेश के लिए ठोस वजह जरूरी

अखिलेश का मॉनसून ऑफर- सौ लाओ सरकार बनाओ

लखनऊ , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश भाजपा में अंदरूनी कलह की खबरों और लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों के दौर के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मानसून ऑफर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा- 100 लाओ, सरकार बनाओ ! इससे पहले अखिलेश ने कहा था कि भाजपा की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में यूपी में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। उन्होंने कहा था कि तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वो अपने दल के अंदर कर रही है। इसीलिए भाजपा अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है. जनता के बारे में सोचने वाला भाजपा में कोई नहीं है।

मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम प्रस्ताव पर चर्चा...

गुरू साधने मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को जिले में रहने के दिए निर्देश

नई दिल्ली , एजेंसी।

मध्यप्रदेश में स्कूल-कॉलेज और मेला-बाजार सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सरकार सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी में है। इसके लिये लाए गए प्रस्ताव पर आज कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई। इसको हरी झंडी मिलने के बाद सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी और यह कानून व्वस्था दुरूस्त रखने में सहायक होगा। इसके अलावा आज कैबिनेट में राजस्व महाअभियान की शुरूआत भी की गई। इसके बारे में मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को अवगत कराया। इस अभियान पर हर कलेक्टर से रोज राजस्व विभाग रिपोर्ट लेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक में गुरूपूर्णिमा का जिक्र किया और कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा का महत्व आदिकाल से रहा है । 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विशेष रूप से सर्कुलर जारी किया गया है । इसमें सभी शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। लिहाजा सभी मंत्री अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों में सम्मिलित हों।

सार्वजनिक स्थानों पर कैमरे लगाने के निर्णय के तहत स्कूल, कालेज, मॉल, अस्पताल सहित ऐसे क्षेत्र, जहां लोगों की भीड़भाड़ होती है, वहां कैमरे से नजर रखी जाने की योजना है। गृह विभाग ने इसके संबंध में विधेयक का प्रारूप तैयार किया है। जिसे पर चर्चा की गई। वहीं, एटीएम या बैंकों के लिए नकदी इधर से उधर ले जाने वाली वाहनों के लिए भी नए नियम तैयार किए गए हैं, जिन्हें अनुमोदन के लिए कैबिनेट बैठक में रखा गया। इसके तहत अब शहरी क्षेत्रों में नौ बजे तक और ग्रामीण क्षेत्रों में सात बजे तक ही कैश का परिवहन हो सकेगा। दरअसल इसके लिए केन्द्र सरकार ने एक गाइड लाइन जारी की है, जिसे मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में लागू किया जाना है। एक अन्य प्रस्ताव के तहत स्मार्ट पीडीएस सिस्टम भी लागू किया जा रहा है। इसमें खाद्यान्न ले जाने वाले वाहनों की निगरानी के लिए कमांड एडं कंट्रोल सेंटर स्थापित किया जाएगा।

स्मार्ट पीडीएस वाहनों में जीपीएस लगाने और प्रदेश मुख्यालय तथा जिला मुख्यालयों पर कंट्रोल कमांड सेंटर बनाए जाने हैं। जिससे खाद्यान्न उचित मूल्य की दुकानों तक सही तरीके से पहुंच सके। कंट्रोल कमांड सेंटर के माध्यम से यह देखा जाएगा कि वाहन खाद्यान्न लेकर उसी रूट से दुकानों तक पहुंच रहे हैं, जो रूट तय हैं अथवा अन्य रूटों से जा रहे हैं। ये वाहन रास्ते में कहीं ज्यादा समय तक तो नहीं रुके हैं। इसकी निगरानी में आसानी हो सकेगी। सभी प्रस्ताव पर चर्चा जारी है।

नर्सिंग घोटाले पर एफआईआर के लिए कांग्रेस का मार्च

भोपाल। नर्सिंग कॉलेज घोटाले को लेकर कांग्रेस सरकार पर लगातार हमलावर है। आज प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, हेमंत कटारे, कांग्रेस विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा करते हुए भोपाल के अशोका गार्डन थाने के लिए निकले जहां वे मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन देंगे। जिसमें पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने थाना परिसर में सुंदरकांड के आयोजन पर आपत्ति जताई। क्योंकि पुलिस ने थाने की बैरिकेडिंग की है। कल भी कांग्रेस नेता टीटीनगर थाने पहुंचे थे। जहां पुलिस ने जांच की बात कहकर आवेदन ले लिया था।

कश्मीर में सर्च ऑपरेशन, आतंकियों की फायरिंग में दो जवान घायल

नई दिल्ली , एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में आज तड़के आतंकवादियों के हमले में दो सैनिक घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि कास्तीगढ़ इलाके के जद्दन बाटा गांव में बुधवार देर रात स्कूल में बने अस्थायी सुरक्षा शिविर पर आतंकियों ने गोलीबारी की। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एक घंटे से ज्यादा गोलीबारी हुई। सेना ने फायरिंग की तो आतंकी जंगल की ओर भागे, वहां सेना ने उन्हें घेर रखा है।

जम्मू रीजन में पिछले 84 दिन में 10 आतंकी हमलों में 12 जवानों की शहादत के बाद सेना ने अब सबसे बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। सैन्य सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के 7000 जवान, 8 ड्रोन, हेलिकॉप्टर्स, करीब 40 खोजी कुत्तों को लगाया है। जवानों में ज्यादातर राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के

स्पेशल कमांडोज हैं। इन्हें डोडा और कठुआ जिलों की पीर पंजाल श्रेणी के जंगलों में उतारा गया है। यहां 5 लोकेशन की पहचान की गई है। सुरक्षा बलों को यहां करीब 24 आतंकियों की मौजूदगी के सुराग मिले हैं। वहीं डोडा में ही 15 जुलाई को आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और पुलिसकर्मी समेत 5 जवान शहीद हो गए थे। 16 जुलाई को डोडा के डेसा फोरेस्ट बेल्ट के कलां भाटा में रात 10.45 बजे और पंचान भाटा इलाके में रात 2 बजे फिर फायरिंग हुई थी। इन्हीं घटनाओं के बाद सर्च ऑपरेशन चलाने के लिए सेना ने जद्दन बाटा गांव के सरकारी स्कूल में अस्थायी सुरक्षा शिविर बनाया था। उल्लेखनीय है कि डोडा जिले को 05 में आतंकवाद मुक्त घोषित किया गया था। मगर अब लगातार हो रहे हमलों में 5 जवान शहीद हुए हैं।

पेरिस ओलिंपिकः पहली बार विदेश में तैनात होंगे भारतीय कैनाइन डॉग्स

नई दिल्ली , एजेंसी।

पेरिस ओलिंपिक की चाक-चौबंद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फ्रांस ने भारत से भी मदद मांगी है। नई दिल्ली में फ्रांस के दूतावास ने आग्रह किया है कि पेरिस ओलिंपिक की सुरक्षा के लिए भारती सुरक्षा बलों में बेहद उच्च प्रशिक्षित डॉग्स कैनाइन की तैनाती की अनुमति दी जाए। पेरिस में 26 जुलाई से ओलिंपिक खेलों की शुरुआत होगी जो 12 अगस्त तक चलेगी। इसमें पैरालिंपिक खेलों के भी आयोजन होंगे। न्यूज वेबसाइट द प्रिंट ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि फ्रेंच एंबेसी ने भारत सरकार से एंटी-एक्सप्लोसिव यूनिट मुहैया कराने का आग्रह किया है।

धमाका रोधी टीम में हाइली ट्रेंड डॉग्स की सबसे अहम भूमिका होती है। फ्रांस ने के9 डॉग्स की मांग की है। दूतावास ने भारत से आग्रह किया है कि डॉग्स और उन्हें संचालित करने वाले अधिकारियों को ओलिंपि की सुरक्षा के लिए भेजा जाए। फ्रांस के आग्रह पर भारत सरकार ने 10 के9 डॉग्स भेजने का फैसला किया है। ये डॉग्स सीएपीएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, असम राइफल्स और एनएसजी से लिए जाएंगे। इनमें छह बेल्जियन, तीन जर्मन शेफर्ड ब्रिड के होंगे जबकि एक लैब्राडोर रीट्रीवर होगा। इन डॉग्स के साथ 17 अधिकारी भी पेरिस भेजे जाएंगे।

विवादित आईएएस पूजा की मां गिरफ्तार, पिता पर भी शिकंजा

पुणे , एजेंसी।

प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को पुणे ग्रामीण पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्हें रायगढ़ के पास महाड से हिरासत में लिया गया जहां वह एक होटल में रुकी हुई थीं। पुलिस की 3 टीमें मनोरमा को लेकर पुणे आ रही हैं। दरअसल विवादित आईएएस पूजा की मां मनोरमा के खिलाफ भूमि विवाद में मामला दर्ज किया गया है। पुणे पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी और सर्च ऑपरेशन चला रही थी। मनोरमा एक जमीनी विवाद को लेकर हाथ में बंदूक लिए कुछ लोगों को धमका रही थीं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मनोरमा और उनके पति दिलीप खेडकर समेत सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। मां के अलावा पूजा खेडकर के रिटायर्ड पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ के खिलाफ भी एंटी करप्शन ब्यूरो को सबूत हैं।

मेट्रो एंकर

लगातार दूसरे दिन चोरी करने गया तो मालूम हुआ कि यह मशहूर कवि का घर है....

शिक्षित और साहित्यप्रेमी चोर का पश्चाताप, दीवार पर माफीनामा लिखा

मुंबई।, एजेंसी।

महाराष्ट्र में घर का सामान लूटने वाले चोर से जुड़ा चोर साहित्यप्रेमी निकला और नतीजा यह हुआ कि वह एक साहित्यकार के निवास से चोरी के बाद पश्चाताप से भर उठा,तथा सारा चोरी किया सामान वापस रखकर चला गया। जिस घर से उसने कीमती सामान चुराया था, वह एक मशहूर मराठी लेखक का है। मुंबई पुलिस ने बताया कि रायगढ़ जिले के नेरल में स्थित जिस घर से चोर ने एलईडी टीवी सहित कीमती सामान चुराए, वह लेखक नारायण सुर्वे का है। हालांकि सुर्वे, का निधन 16 अगस्त 2010 को 84 वर्ष की उम्र में हो गया था। वे मुंबई में जन्मे थे और मशहूर मराठी कवि और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते थे। उनकी कविताओं में शहरी मजदूर वर्ग के संघर्षों साफ स्वरूप उभरता है। जहां चोरी हुई, अब उस घर में सुर्वे की बेटी सुजाता और उनके पति गणेश घारे रहते हैं। वे अपने बेटे के पास विरार गए थे और उनका घर 10 दिनों से बंद था। चोर ने मौके का फायदा उठाते हुए घर से जरूरी सामान पर हाथ साफ किया।

जब इमोशनल हुआ 'पढ़ा-लिखा' चोर

चोरी के इरादे से घर में घुसे चोर ने एलईडी टीवी सहित कुछ सामान चुराया था। अगले दिन जब वह कुछ और सामान लेने लौटा तो उसने एक कमरे में सुर्वे की तस्वीर और यादगार चीजें देखीं। रिपोर्ट के मुताबिक चोर काफी पढ़ा-लिखा था और जब लेखक के बारे में पता चला तो वह पछतावे से भर गया और उसने जो भी सामान उसने एक दिन पहले उठाया था, उसे वापस कर दिया। साथ ही, उसने दीवार पर एक छोटा सा नोट चिपका दिया, जिसमें उसने इतने महान साहित्यकार के घर से चोरी करने के लिए मालिक से माफी मांगी। सुजाता और उनके पति जब घर वापस लौटे, तो चोर के द्वारा छोड़ा गया पत्र मिला। हालांकि पुलिस टीवी और अन्य सामानों पर पाए गए फिंगर प्रिंट्स के आधार पर आगे की जांच यानि चोर की तलाश कर रही है।

सुर्वे का संघर्षः *गौरतलब है कि मशहूर मराठी कवि बनने से पहले नारायण सुर्वे ने काफी मुश्किलें झेलीं। उनकी जिंदगी का एक लंबा हिस्सा मुंबई की अनाथ के रूप में मुंबई की गलियों में गुजरा। बाद में उन्होंने घरेलू सहायक, होटल में डिशवॉशर, दाई, पालतू कुत्ते की देखभाल करने वाला, दूध पहुंचाने वाले युवक व एक कुली और एक चक्की मजदूर के रूप में काम करते हुए अपनी जिंदगी गुजारी। सुर्वे अपनी कविता के जरिए मजदूरी का महिमामंडन किया और मराठी साहित्य में स्थापित साहित्यिक मानदंडों को चुनौती देते थे।*

बसपा सांसद को टिकट न मिलने से नाराज महिला ने मारा थप्पड़

मुंबई एजेंसी।

बहुजन समाज पार्टी की महाराष्ट्र कार्यकारिणी बैठक में पार्टी सांसद को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। महिला कार्यकर्ता ने बसपा सांसद रामजी गौतम को बैठक के बीच थप्पड़ मारा। महिला का नाम नीमा मोहारकर है, जो भंडारा की है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, उसे पार्टी से भी निकाल दिया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में संसदीय चुनाव में उसे भंडारा-गोंडिया से टिकट नहीं दिया गया था, जिस वजह से वह नाराज थी। इस बैठक के दौरान महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील डोंगरे को भी हटाने के नारे लगाए गए।

बाघ शावकों की हालत गंभीर, ट्रेन की टक्कर से कई फ्रेक्चर

डॉक्टरों की टीम कर रही वन विहार में इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दो दिन पहले भोपाल के समीप बुधनी के जंगल से विशेष ट्रेन द्वारा रेस्क्यू कर वन विहार लाए गए घायल दो मादा बाघ शावक की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों मादा बाघ हैं जिनकी उम्र लगभग नौ माह है। वन विहार के डॉक्टर अतुल गुप्ता, डॉक्टर तोगड़िया ,डॉक्टर रजत कुलकर्णी ,डॉक्टर हमजा की एवं डॉक्टर वैभव शुक्ला द्वारा घायल मादा बाघ शावकों का इलाज किया जा रहा है। बताया जाता है कि वे दोनों कुछ खा नहीं पा रहे हैं।

दोनों मादा बाघ शावकों का एक्स-रे करने पर ज्ञात हुआ कि उनके रीढ़ की हड्डी एवं पेल्विक गर्डल पर मल्टीपल फैक्चर हैं। उसी के कारण से उनके पिछले भाग पैरालाइज हुए। शावकों की हालत गंभीर है उनका पिछला हिस्सा पूरा पैरालाइज हो चुका है। आगे उनका यथासंभव इलाज किया जा रहा है। ज्ञात हो कि 14 व 15 की दरमियानी रात को बुधनी के मिड घाट क्षेत्र सीहोर वन मंडल के अंतर्गत तीन टाइगर शावक ट्रेन की टक्कर से घायल होकर पास की नली में गिर गए थे। इसमें से नर शावक जिनकी उम्र लगभग 9 माह थी की मृत्यु हो गई जिसे दिनांक 15 को रेस्क्यू कर पोस्टमार्टम किया गया। अन्य दो मादा बाघ शावक का रेस्क्यू कर वन विहार भोपाल 16 जुलाई को लाया गया था। मुख्यमंत्री यादव ने बाघिन के घायल शावकों की जीवन रक्षा के लिए सीहोर जिला प्रशासन और भोपाल रेल मंडल द्वारा तत्परतापूर्वक की गई कार्यवाही की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीहोर जिले में बुधनी के पास मिडघाट में बाघिन के तीन शावक रेल्वे ट्रैक दुर्घटना के शिकार हो गये थे। दुर्घटना में एक शावक की मृत्यु हो गई लेकिन शेष दो घायल शावकों का रेस्क्यू किया जाकर उपचार के लिये भोपाल के वन्य प्राणी चिकित्सालय लाने के लिए एक डिब्बे की विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई।

इसरो की स्पेस ऑन व्हील्स बसें भी मौजूद रहेंगी

विज्ञान के हर पहलू से आमजन को अवगत कराने अब संभागीय मेले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विद्यार्थियों और आमजन को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के लिएमध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) ने आगामी दिनों में कई बड़ी गतिविधियों की योजना बनाई है। इसके तहत प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों में विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसरो के सहयोग से आगामी अगस्त माह से आरंभ होने वाले मेलों में इसरो की स्पेस आन व्हील्स बसें भी मौजूद रहेंगी, जो इसरो की तकनीकी का प्रदर्शन करेंगी। इसी प्रकार नवंबर माह में भोपाल में नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस का आयोजन भी किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पहले यह आयोजन अगस्त माह में ही होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से केंद्र सरकार ने इसकी आगे तिथि आगे बढ़ा दी है। यह आयोजन 12 साल बाद मप्र में हो रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से कांग्रेस रवींद्र भवन में आयोजित होगी। दोनों आयोजनों के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। मैपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने बताया कि विज्ञान मेले जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देकर शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे छात्रों को कक्षा से परे वैज्ञानिक अवधारणाओं का पता लगाने के अवसर प्रदान करते हैं, उन्हें प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और परिणामों का स्वतंत्र रूप से विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अपनी परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें क्रियान्वित करने और प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के माध्यम से छात्र अनुसंधान, संचार और समस्या-समाधान जैसे आवश्यक कौशल विकसित करते हैं।

आठ सौ बच्चे भाग लेंगे

नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। गत वर्ष यह आयोजन गांधी नगर, गुजरात में हुआ था। 12 साल बाद इसकी मेजबानी का अवसर मप्र को मिला है। पहले यह 28 से 31 अगस्त में होनी थी, लेकिन अब दीपावली के बाद होगी। नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस में देश भर के 30 प्रदेशों से राज्य स्तर पर चयनित बच्चों के माडल प्रदर्शित किए जाएंगे। पूरे देश से आठ सौ बच्चे इसमें भाग लेंगे। प्रदर्शन,संवाद और पुरस्कार कांग्रेस के मुख्य आकर्षण होंगे।

वाद सत्र और प्रतियोगिताएं होंगी

कोठारी ने कहा कि विज्ञान मेले रचनात्मकता और नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग व तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग से विज्ञान मेलों को आयोजन माडल कालेज परिसरों में दो दिन किया जाएगा। राज्य सरकार की पहल पर ऐसे मेले पहली बार आयोजित किए जा रहे हैं, जो विद्यार्थियों के साथ ही जनसामान्य के लिए भी उपयोगी होंगे। अंतरिक्ष विज्ञान पर केंद्रित गतिविधियां, संवाद सत्र और प्रतियोगिताएं इनमें होंगी। तिथि और स्थान का निर्धारण करने के लिए बैठक 18 अगस्त को हो रही है।

1 लाख की बिजली जलाकर भागे 32 हजार उपभोक्ता

पुराने बकायादारों के घर पहुंच रहे अधिकारी, कई मीटर बंद मिले

स्मार्ट मीटर स्थापना में बकाया बनेगा रोड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिजली के 32 हजार से अधिक उपभोक्ता एक लाख रुपए से अधिक की बिजली खपत कर लापता हो गए हैं। ये कहां गए इनसे कैसे वसूली होगी कंपनी के सामने यह बड़ा सवाल है। बीते पांच साल के दौरान इस बिजली की खपत की गई है। कंपनी अब अपने इन पुराने बकायादारों के यहां तगादा लगाने पहुंच रही है तो अधिकतर के मीटर बंद है, जो चालू है वहां कोई अन्य रह रहा है। दस हजार के करीब उपभोक्ताओं की तो संपत्तियां पहले ही अन्य लोन व कर्ज में विवादित है।

बिजली कंपनी के सामने इस समय करीब 3.20 अरब रुपए अटकने की स्थिति बन गई है। इनमें से करीब एक अरब रुपए तो बट्टा खाते में जाने की आशंका है। हालांकि कंपनी के संबंधित जोन के प्रबंधक व टीम वसूली की पूरी कोशिश कर रही है। इन्हें जुलाई आखिर तक की समय सीमा तय की है। कंपनी ने अपने बकायादारों की सूची निगम के जोन कार्यालयों के साथ बिजली कार्यालयों में चस्पा की हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि नाम सार्वजनिक होने से शर्मिंदा होकर बकायादार राशि जमा कर दें। कोलार में करीब 67 हजार स्मार्ट मीटर की स्थापना की जा रही है। शुरुआती चरण में 2.25 लाख मीटर लगेंगे। ये प्री-पेड मीटर उन्हीं उपभोक्ताओं के यहां लगेंगे जिनका बिजली बिल पूरी तरह क्लीयर है। कोई बकाया नहीं है। जिन उपभोक्ताओं पर बकाया राशि ज्यादा है, उनसे वसूली की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि बकाया स्मार्ट मीटर की स्थापना में रोड़ा बनेगी। निजी कंपनियां इन्हें स्थापित कर रही है और अगले दस साल तक वे यहां रीडिंग-बिलिंग संभालेगी, ऐसे में कोशिश की जा रही है कि उपभोक्ता का कोई बकाया न बचे। वहीं अब अधिकारी कह रहे हैं कि बकायादारों से वसूली के हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम नए और पुराने सभी बकायादारों से से पूरी वसूली करेंगे।

संत हिरदाराम पत्रकार संघ के अध्यक्ष बने संदीप

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम पत्रकार संघ के द्विवार्षिक चुनाव मतदान से हुए। 35 सदस्यों ने मतदान किया। मतगणना के बाद पदाधिकारियों का ऐलान चुनाव अधिकारी बसंल चेलानी ने किया। चेलानी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर संदीप पाठक को 19, कमलेश रायचन्दानी को 15 वोट। एक वोट निरस्त हुआ है। संदीप पाठक चार वोट से विजयी हुए हैं। महासचिव पद पर विवेक शर्मा को 21, नरेश वासवानी को 13 वोट मिले एक वोट निरस्त हुआ। विवेक शर्मा सात वोट से जीते हैं। कोषाध्यक्ष पद पर मनोज शर्मा को 19 और मनीष शर्मा को 14 वोट मिले, दो वोट निरस्त हुए। मनोज शर्मा पांच वोट से विजयी हुए हैं।

सेवासदन को शिवनानी नेत्रों का दान, प्रत्यारोपित होंगी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर निवासी 41 वर्षीय श्री सुरेश शिवनानी का निधन बुधवार 17 जुलाई 2024 को हो गया। दिवंगत प्राणी के भाई जीतू शिवनानी ने अपने भाई की आंखें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवासदन अस्पताल ने अभी तक 2127 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवारजन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

जगदीश असवानी असंवैधानिक अध्यक्ष जांच करे फैसला बोर्ड

संतनगर। सिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था पूज्य सिंधी पंचायत संतनगर में दादा साबूमल रीझवानी के निधन के बाद नए अध्यक्ष का चयन 20 जुलाई को साधारण सभा में होना है। अभी पंचायत में कार्यवाहक अध्यक्ष भरत आसवानी काम देख रहे हैं। सभा से पहले पंचायत में मौजूद एक उपाध्यक्ष के चुने जाने को चुनाव के डेढ़ साल बाद एक सदस्य ने चुनौती दी है। पंचायत के साधारण सदस्य राजेन्द्र धनवानी ने पंचायत के कार्यवाहक अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर कहा है कि जगदीश आसवानी असंवैधानि तौर पर चुनाव लड़कर उपाध्यक्ष बने हैं। आसवानी के निवास के पते पर एक संस्था पंजीयकृत है। पूज्य सिंधी पंचायत के नियमानुसार किसी अन्य संस्था में होते हुए कोई पदाधिकारी नहीं बन सकता। धनवानी पंचायत के फैसला बोर्ड से तत्काल जांच कराकर आसवानी के निर्वाचन को शून्य करना चाहिए।

'बर्डस ऑफ़ भोपाल' पुस्तक का विमोचन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विकास की गति तेज करने के साथ पर्यावरण के साथ सामंजस्य बहुत महत्वपूर्ण है। आगामी पीढ़ी को विभिन्न प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, मृदा आदि अच्छी अवस्था में मिले यह वर्तमान पीढ़ी की ज़िम्मेदारी है। विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत कार्य करना जलवायु परिवर्तन की समस्या के दौर में अहम है और अनिवार्य है। शुक्ल ने होटल जहांनुमा पैलेस भोपाल में द नेचर वालंटियर संस्था द्वारा भोपाल में पाई जाने वाली बर्ड्स की विभिन्न प्रजातियों की प्रामाणिक जानकारी पर आधारित पुस्तक 'बर्डस ऑफ़ भोपाल' का विमोचन करते हुए यह बात कही। उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी स्वर्गीय पी.एम. लाड को समर्पित की गयी है। लाड ने बर्ड कंज़र्वेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उप-मुख्यमंत्री ने पुस्तक की एक प्रति स्वर्गीय लाड की पत्नी कमला लाड को भेंट की। पुस्तक में भोपाल में पाई जाने वाली स्थानीय बर्ड्स और प्रवासी बर्ड्स को मिलाकर बर्ड्स की 312 प्रजातिओं को डॉक्यूमेंट किया गया है।

देवशयनी एकादशी पर तुलसी के पौधे बांटे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति द्वारा देवशयनी एकादशी पर संतनगर के विभिन्न क्षेत्रों में तुलसी के पौधा का वितरण किया गया। समिति के राजकुमार गर्ग ने बताया कि देवशयनी एकादशी पर पौधा घर में लगाने से विष्णु भगवान प्रसन्न होते हैं। समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि तुलसी के पौधों का वितरण सितंबर के अंतिम दिनों तक चलेगा, जिसको भी तुलसी के पौधा चाहिए वो सपर्क नंबर 7000587600, 9893134754, 7470822287, 9425013367 से मंगवा सकता है। तुलसी के पौधों का वितरण केवल संतनगर में किया जाएगा। समिति ने पार्षद अशोक मारण, भाजपा नेता महेश खटवानी व अन्य लोगों को जाकर तुलसी का पौधा रोपकर उसकी देखभाल का संकल्प दिलाया।

मेट्रो एंकर ऐसे आयोजन रोकने की भी अपील के बीच तैयारी...

मानसून जोरों पर, अब मड चैलेंज के लिए तैयार हो रहे एडवेंचर प्रेमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस वक्त मानसून का जोरदार दौर है और शहर के एडवेंचर प्रेमी लोग मड चैलेंज के लिए तैयार हैं। इसको लेकर शहर के अनेक इलाकों में प्रतिभागियों ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। अभी सेफिया कॉलेज और कलियासोत ग्राउंड में रोजाना एडवेंचर लवर लगातार प्रैक्टिस कर रहे हैं। प्रतिभागियों का कहना है कि लगातार प्रैक्टिस से आने वाले दिनो में मड रैली में शामिल होने में आसानी रहेगी। इसके लिए 25 से अधिक प्रतिभागी रोजाना जीप, जिप्सियों, थार के अलावा अन्य गाड़ियों से प्रैक्टिस कर रहे हैं। दरअसल, राजधानी समेत कई शहरों में मड चैलेंज रैली का आयोजन होता है। इस रैली में शामिल होने वाले प्रतिभागी पहाड़ी रास्तों पर कीचड़, पानी से सनी खराब मार्ग पर फोर-व्हील और बाइक से स्टंट के साथ अपनी रफ्तार को काबू करते हैं। मड चैलेंज रैली को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग भी पहुंचते हैं। 28 जुलाई को सीहोर में सीजन की पहली मड चैलेंज प्रतियोगिता की जा रही है। इसमें भोपाल से 25 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। इसके अलावा रायसेन और भोपाल में भी आयोजकों ने तैयारियां कर ली हैं। अगस्त में भी शहर में कई आयोजन होंगे।

हालांकि , भोपाल और आसपास के जिलों में मड कार रैली को रोकने के लिए सोशल एक्टिविस्ट राशिद नूर खान ने कलेक्टर भोपाल से अपील भी की है। उन्होंने राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रिंसिपल बेंच, नई दिल्ली के एक प्रकरण 832/2019 का हवाला देकर कहा है कि । यदि मड कार रैली को आपके कार्यालय द्वारा आयोजन की अनुमति दी जाती है तो निरीक्षण प्रतिवेदन लिखित शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाए। नियम विरुद्ध बिना अनुमति आयोजित मड कार रैली में ट्रैफिक नियमों का उलंघन किया जाता है। इसमें पुराने वाहन और नाबालिग बच्चे शामिल होते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका रहती है।उन्होंने कहा- ऐसी गतिविधियों के कारण पर्यावरण एवं वन्य जीवों को नुकसान होता है। मानसून के समय डैम के किनारे (वेटलैंड) में शेड्यूल और संरक्षित जीवों के अंडे एवं प्रजनन काल का समय होता है। जिससे उन्हें नुकसान होता है।

आज से राजस्व अमला मैदान में, रोज कलेक्टरों से रिपोर्ट लेगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में राजस्व महाअभियान के तहत किसानों की समस्याओं का आज से मौके पर निराकरण किया जाएगा। राजस्व विभाग इस पूरे अभियान की प्रतिदिन रिपोर्ट कलेक्टरों से लेगा और अभियान के दौरान जमीन संबंधी मामलों के निराकरण के लिए की गई कार्रवाई की ऑनलाइन रिपोर्ट के आधार पर अभियान की जिलावार ग्रेडिंग भी करेगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर यह अभियान 45 दिनों तक चलाया जाना है। इसको लेकर सीएम यादव ने भी पिछले दिनों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टरों को महाभियान सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।राजस्व महा अभियान में आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज करने और पूर्व आदेशों का खसरों और नक्शे में अमल किया जाएगा। राजस्व महा अभियान में निशुल्क समग्र ई-केवायसी और समग्र से खसरे की लिंकिंग की सुविधा दी जा रही है। इसके साथ ही स्वामित्व योजना में आबादी भूमि के सर्वेक्षण की कार्रवाई पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। राजस्व महाअभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। राजस्व महा अभियान 2.0 में 30 जून 2024 की स्थिति में लंबित नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्त और सीमांकन के प्रकरणों में निराकरण का लक्ष्य रखा है। राजस्व महा अभियान में संभागायुक्त, कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार मैदानी क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और राजस्व महा अभियान में की जा रही कार्रवाई की मॉनिटरिंग करेंगे। इस दौरान 30 जून 2024 की स्थिति में एक करोड़ 95 लाख 45 हजार नक्शे पर तरमीम के लंबित मामलों को भी दर्ज किया जाएगा।

विभागों को एक साथ नहीं मिलेगी रकम, जारी रहेगी कटौती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य का बजट पिछले बार की तुलना में भले ही 16 फीसदी अधिक है, लेकिन सरकारी महकमों को खर्च के लिए भरपूर रकम नहीं मिलेगी। गैर जरूरी खर्चों में कटौती के साथ सरकारी महकमों को जरूरत के मुताबिक ही रकम मिलेगी। सरकार को भरोसा है कि इस बार कमाई में इजाफा होगा। इसके लिए टेक्स लीकेज सुधारने के साथ सिस्टम को भी दुरुस्त किए जाने पर फोकस किया जा रहा है। विधानसभा के मानसून सत्र में 3.65 लाख करोड़ का बजट पारित हो चुका है। सरकार का टारगेट है कि पांच वर्ष में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा। पूंजी निवेश बढ़ाने, सड़क, सिंचाई एवं बिजली सुविधाओं को विस्तार करने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाएं एवं रोजगार पर पर भी फोकस किया गया है। हालांकि सरकार के खर्चों में इजाफा होना तय है, ऐसे में सरकार बजट मैनेजमेंट भी तैयार किया है।

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बार अधिक कमाई की उमीद है। इसमें सबसे ज्यादा कमाई सबसे ज्यादा आय जीएसटी, बिक्री कर, प्रवेश कर, विलसिता कर से होगी। इससे मिलने वाला टैक्स 61026 करोड़ रुपए का अनुमान है। पिछले वित्तीय वर्ष में 51557 करोड़ का अनुमान लगाया गया था।

बड़े पैमाने पर होमगार्ड भर्ती के रास्ते खुलेंगे, सेवा नियम भी बदलेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब करीब पंद्रह साल बाद मप्र में होमगार्ड भर्ती का रास्ता खोला जा रहा है। इसके तहत अगले चार वर्ष में चरणबद्ध तरीके से पांच हजार पद भरे जाएंगे। नई भर्ती के साथ ही भर्ती नियम भी बदलने की तैयारी है। इसके तहत अब होमगार्ड को प्रदेश में कहीं भी स्थानांतरित किया जा सकेगा। अभी तक पूरे सेवाकाल में उनकी पदस्थापना किसी एक जिले में ही रहती आई है। होमगार्ड के जवानों को ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में भेजा जाता है।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश में होमगार्ड में अधिकारी-कर्मचारियों के 15 हजार पद हैं, पहले तो होम गार्ड को डाइंग काडर बना दिया गया था, यानी जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे थे उनकी जगह नई भर्ती नहीं की जा रही थी। इसी कारण वर्ष 2009 के बाद से भर्ती ही नहीं हुई। वर्ष 2016 में 2600 जवानों की भर्ती अस्थायी तौर पर सिर्फ सिंहस्थ के लिए की गई थी, बाद में उन्हें नियमित सेवा में शामिल कर लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि उनकी सेवा शर्तें भी बहुत सुधर गई हैं। जिला पुलिस बल में आरक्षक के लगभग बराबर ही उन्हें प्रारंभिक वेतन मिलता है। ग्रेड-पे और वेतनमान का लाभ भी मिलता है। वेतनवृद्धि जरूर जिला पुलिस बल की तरह नहीं होती। लेकिन सेवा शर्तें बेहतर होने के कारण ही अब उनकी सेवा स्थानांतरणीय बनाई जा रही है।आपदा के दौरान आवश्यकता को देखते हुए भर्ती नियम इस तरह बनाए जा रहे हैं कि उन्हें कहीं भी पदस्थ किया जा सके। यहां तक कि आवश्यकता होने पर सहायता के लिए दूसरे राज्यों में भी भेजा जा सके।

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के नए प्रयोग को गुजरात सरकार भी अपनाएगी: मंत्री बावालिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुजरात के जल संसाधन मंत्री कुंवर भाई मोहन भाई बावलिया ने प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट से उनके निवास पहुंचकर मुलाकात की। मंत्रीद्वय ने दोनों राज्यों की सिंचाई परियोजनाओं और आपसी सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। बावालिया ने कहा कि सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां की मोहनपुरा कुंडलिया और केन बेतवा लिंक परियोजनाओं का न केवल भारत में अपितु विश्व की सिंचाई परियोजना में महत्वपूर्ण स्थान हैं। मैं यहां मध्य प्रदेश की मोहनपुरा कुंडलिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और अन्य परियोजनाएं देखने आया हूं। सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में किए जा रहे नित नए प्रयोगों को गुजरात सरकार भी अपनाएगी। मंत्री सिलावट ने बताया की प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सिंचाई क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी शीघ्र ही केन बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन करने के लिए मध्यप्रदेश आने वाले हैं। यह परियोजना प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर बदल देगी। मोहनपुरा कुंडलिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना विश्व की अनूठी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना के लिए मध्यप्रदेश को केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। हमारा लक्ष्य वर्ष 2025 तक इसे 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 28 - 29 तक इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाना है। मंत्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान और अन्य जल संरक्षण और संवर्धन संबंधी कार्यों की जानकारी दी और इस संबध में एक पुस्तिका भी भेंट की। गुजरात के जल संसाधन मंत्री ने सिलावट को गुजरात की साबरमती रिवरफ्रंट व अन्य योजनाएं देखने का आमंत्रण भी दिया और गांधी आश्रम की प्रतिकृति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की।

संपादकीय

बहुमत की मशक्कत

लोक सभा चुनाव के करीब दो महीने के दौर के बाद जो नतीजे आये हैं, वह किसी भी गठबंधन के लिये चैन से बैठने नहीं देने के लिये पर्याप्त हैं। सत्तारूढ एनडीए गठबंधन के लिये यह चिंता ज्यादा है। उसे लोकसभा में हरदम अपना बहुमत कायम रखने और अलग अलग विचारधारा वाले सहयोगी दलों से तालमेल व समन्वय बनाये रखने की जरूरत है। इस बीच बीते सप्ताह राज्यसभा के चार मनोनीत सदस्यों के अपना कार्यकाल पूरा कर लिया तो राज्यसभा में भी बहुमत का सवाल उभरा। अब सदन में भाजपा सदस्यों की संख्या घटकर 86 रह गई। सदस्यता हासिल करने के बाद ये चारों औपचारिक तौर पर भाजपा से जुड़ गए थे। जाहिर है, अब सत्तारूढ़ पार्टी के फ्लोर मैनेजरों को बहुमत साधने के लिए थोड़ी और मशक्कत करनी पड़ेगी। राज्यसभा में बहुमत से दूरी भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। लोकसभा में अपने दम पर बहुमत लेकर सरकार बनाने के बाद भी बीते दस वर्षों में उसे ऊपरी सदन में बहुमत प्राय- मैनेज ही करना पड़ा है। आज भी जब लोकसभा में सत्तारूढ़ एनडीए को बहुमत हासिल है, मगर राज्यसभा में उसकी कुल सदस्य संख्या 101 तक ही पहुंच पा रही है। 225 की मौजूदा सदस्य संख्या वाले सदन में साधारण बहुमत के लिए 113 का आंकड़ा जरूरी है। ऐसे में जब इसी महीने की 22 तारीख से संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है, तब केंद्र सरकार की एनडीए से बाहर के दलों पर निर्भरता बढ़ गई है। हालांकि अब तक के अनुभव के मद्देनजर देखें तो इन दलों के बीच से जरूरी समर्थन जुटाना सरकार के लिए कोई मुश्किल लक्ष्य नहीं है। खासकर तब, जब 11 सदस्यों वाली वायएसआर कांग्रेस और चार सदस्यों वाली एआईएडीएमके जैसी पार्टियां समर्थन देने को तैयार नजर आती हों। वैसे, राज्यसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन की बहुमत से यह दूरी बनी नहीं रहने वाली है क्योंकि अभी सदन की कुल 20 सीटें खाली हैं। इनमें ग्यारह सीटें निर्वाचित प्रतिनिधियों की हैं, जिनके लिए चुनाव इसी साल होने हैं। विधायकों की मौजूदा संख्या को देखते हुए इनमें से सात सीटें सहयोगी दलों को मिलनी तय मानी जा सकती हैं। इसके अलावा अगर महाराष्ट्र में विधायकों को एकजुट रखा जा सका तो दो और सीटें इनके खाते में जुड़ जाएंगी। दूसरी ओर विपक्ष को देखें तो सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के पास अभी 26 सदस्य हैं। इसीलिये कुछ समय पहले यह बात भी उभरी कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद से कांग्रेस को हाथ धोना पड़ सकता है लेकिन तेलंगाना विधानसभा की बदली सूरत के मद्देनजर वहां से एक सीट का इजाफा होना लगभग तय है और चूंकि नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए न्यूनतम पच्चीस सीटों की जरूरत होती है, इसलिए उस पर पार्टी को कोई खतरा नहीं है। राज्यसभा को उच्चसदन कहा जाता है। विधेयकों का यहां से पारित होना सरकार के लिये बहुत जरूरी होता है। हर सरकार राज्यसभा में इसके लिये अपनी जमावट करके रखती ही है। मगर व्यापक हित में जमावट से ज्यादा जरूरी तो यह है कि सदन में सरकार के विधेयकों को खूब और सारगर्भित चर्चा हो तथा इस पर बहुमत या अल्पमत की छाया भी न पड़े। ताकि जब यह विधेयक कानून बनें तो आमलोगों को सही अर्थो में उसका लाभ मिले। लिहाजा उम्मीद तो यही है कि संख्या का सवाल विधेयकों पर भारी नहीं पडेगा।

सिर्फ उतना ही विनम्र बनो
जितना जरूरी हो,
वेवजह की विनम्रता दूसरो के
अहम को बढ़ावा देती है।

आज का इतिहास

- 1290 एडवर्ड द्ध ने इंग्लैंड से सभी यहूदियों को निष्कासित करने वाला एक एडिशन जारी किया।
- 1389 फ्रांस और इंग्लैंड सौ साल के युद्ध के दौरान 13 साल की शांति स्थापित करते हुए ट्रूस ऑफ लेलिंगिंगम के लिए सहमत हुए।
- 1863 यूनियन आर्मी कर्नल रॉबर्ट गोल्डशॉ द्वारा 54 वीं मैसाचुसेट्स इन्फैंट्री रेजिमेंट, अमेरिकी औपचारिक युद्ध, पहली औपचारिक अफ्रीकी अमेरिकी सैन्य इकाई, दक्षिण कैरोलिना के फोर्ट वैगनर पर हमला किया गया।
- 1870 द फर्स्ट वेटिकन काउंसिल ने घोषणा की कि पोप अचूक है, वह पूरी तरह से ईश्वरीय रहस्योद्घाटन में विश्वास के रूप में विश्वास पर एक हठधर्मी शिक्षण की घोषणा करता है।
- 1969 मैसाचुसेट्स में चैप्पाक्विडिक द्वीप पर एक पार्टी के बाद, यूनाइटेडस्टेट्स सीनेटर टेड कैनेडी ने अपनी कार को एक लकड़ी के पुल से निकाल दिया।
- 1976 मॉन्ट्रियल में ओलंपिक खेलों में, नादिया कॉम हृद्दष्ठ एक आधुनिक ओलंपिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में एक आदर्श 10 स्कोर करने वाली पहली व्यक्ति बन गई।
- 1962 संयुक्त राज्य अमेरिका ने नागरिक उद्देश्यों के लिए न्यूक्लियरेक्सप्लोसियन के उपयोग की जांच करने के लिए एक कार्यक्रम, ऑपेरशन प्लोवशेयर के भाग के रूप में सेडान परमाणु परीक्षण किया।
- 1984 एक बंदूकधारी ने कैलिफ़ोर्निया के सैन डिएगो के सैन यिसड्रो अनुभाग में मैकडोनाल्ड के रेस्तरां में 21 लोगों की हत्या कर दी और 15 अन्य को घायल कर दिया।
- 1984 बेवर्ली बर्न्स दुनिया की पहली महिला बोइंग 747 कप्तान बनी।

निशाना

है हमने ये ठाना !

\- कृष्णेन्द्र राय

हर बात पर राजनीति।
होकर रहने वाली ।।
चलता तेज़ दिमाग है।
नहीं है रखना खाली ।।
काम पड़ा है ज्यादा।
ना करना आराम।
घटनाएं कुछ हो रहीं।
ज्यादा अब तमाम ।।
हर पल अब कुछ नया।
लेकर के ही आना ।।
पेश है करना वह कुछ।
चाहे जो ज़माना ।।
होंगे कामयाब हम।
है हमने ये ठाना ।।
लेकिन होगा बंद ना।
रहेगा बजता गाना ।।

संविधान हत्या दिवस! औचित्य?

राजीव खंडेलवाल

हालांकि वक्त बड़े से बड़े घाव को भर देता है लेकिन ''आपातकाल'' शब्द का मैं जैसे ही उच्चारण करता हूं, सुनता हूं या सुनाता हूं, शरीर में एक झुनझुनी व सिहरन सी आ जाती है। क्योंकि मैं उस परिवार का सदस्य हूं, जिसने आपातकाल को भुगता है। मेरे स्व. पिताजी डी खंडेलवाल मीसा में 18 महीने जेल में बंद रहे थे। जेल के बाहर रहकर भी मैंने आपातकाल को भुगता है। जेल के बाहर मीसाबंदी परिवारों के सदस्यों की स्थिति तो यह हो गई थी कि डर व खौफ के वातावरण के कारण उनका सामाजिक मेल मिलाप दुष्कर होकर बहिष्कृत सा हो गया था। ऐसे आपातकाल के बुरे दिनों को कोई क्यों याद करना या रखना चाहेगा? फिर ''हत्या दिवस'' के रूप में? ''देर आयद दुरुस्त आयद'' का सहारा लेते हुए यदि सरकार आपातकाल रूपी काले कालखंड को वर्तमान युवा पीढ़ी को काले सपने के रूप में किस स्वरूप में याद दिलाना चाहती है? जिसके औचित्य पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगना लाजिमी ही है। सरकार अच्छे अध्याय रचकर ''काले अध्याय को क्यों नहीं प्रतिस्थापित'' करना चाहती है? क्योंकि भविष्य में ''जब भी शाह ख़ानम की आंखें दुखेंगी, शहर के चिराग गुल कर दिये जाएंगे''। वर्तमान में जब भी मीडिया की निष्पक्षता और साहस की चर्चा की जाती है, तब आपातकाल के समय की मीडिया की दुर्दशा और साहस से तुलना होती ही है और तब वर्तमान मीडिया बगलें झाँकने लग जाती है। वर्तमान सरकार मूलतः अपने मूल रूप में (जनता पार्टी) आपातकाल की ही तो पैदाइश है? जैसे 'मीसा भारती''।अधिसूचना में श्रद्धांजलि शब्द कितना उचित- मीसा बंदी जिन्हें वर्ष 2014 में केंद्रीय सरकार ने लोकतंत्र सेनानी का दर्जा दिया तथा साहसी, संघर्षशील जनता व निडर मीडिया (जैसे इंडियन एक्सप्रेस) जिन्होंने अपने संपादकीय पेज को ''खाली'' छोड़कर आपातकाल का दृढ़ विरोध प्रदर्शित किया था, ऐसे समस्त संघर्षशील व्यक्तियों को 49 साल बाद ''श्रद्धांजलि'' देने हेतु केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 12 जुलाई 2024 को जारी एक गजट अधिसूचना द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया है। केंद्रीय सरकार का उक्त रूप में निर्णय एक पहेली सी लगती है? क्योंकि इस संबंध में जारी अधिसूचना में प्रस्तावना, नामकरण की शब्दावली न केवल समझ से परे हैं, बल्कि सिर से ऊपर 'सिरे' से निकल जाने वाली है? 50वें साल में की गई यह घोषणा कुछ आश्चर्यचकित भी करती है। अभी 25 जून को ही आपातकाल का 49 वां वर्ष गुजरा है। जब किसी दिवस को महत्वपूर्ण बनाना होता है, तब उसे उस दिन या उसके पूर्व अधिसूचित किया जाता है, न कि 15 दिन बाद! अधिसूचना में ''श्रद्धांजलि'' शब्द का उपयोग बेहद आपत्तिजनक और गैर जिम्मेदाराना है। अधिसूचना में उल्लेखित वाक्य संविधान की हत्या दिवस भी सकारात्मक शब्द नहीं है। सरकार सकारात्मक होती है, तो विपक्ष नकारात्मक होता है।

यदि संविधान की हत्या हो गई थी, तब 1975 से लेकर आज तक हम किस संविधान के अंतर्गत संचालित है? आपातकाल को राजनीतिक टूल न बनाकर लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय मानकर दुःस्वप्न की भांति भूलने का प्रयास करना चाहिए।

इसकी जगह संविधान रक्षा दिवस, संविधान बलिदान दिवस, संविधान शोक दिवस, संविधान बचाओ दिवस, संविधान संकल्प दिवस, इत्यादि भी हो सकता था। अभी भी देश में हजारों लोकतंत्र सेनानियों में से सैकड़ो लोकतंत्र सेनानी जीवित है। क्या उन्हें भी संविधान हत्या दिवस के दिन याद कर श्रद्धांजलि दी जाएगी? वैसे हमारी संस्कृति में जिंदा व्यक्ति जिनका कोई नहीं होता है, के द्वारा जीवन के दौर में ही स्वयं की श्राद्ध करने की प्रथा है, जैसे साधु-संत। आखिर सरकार में किस तरह की सोच लिए हुए लोग बैठे है, जो मानते हैं कि ''अपना सर सलामत तो पगड़ी हजार'', चाहे भले ही वो अपनी करतूतों से बार-बार सरकार का सिर (मुकुट) जनता के सामने नीचा कर देते हैं? अनुच्छेद 352 में प्रभावी संशोधन आवश्यक - यदि वास्तव में सरकार लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धांजलि देना ही चाहती है तो उसे अनुच्छेद 352 में ऐसा संशोधन अवश्य करना चाहिए, कि किसी भी स्थिति में राजनीतिक द्वेष के चलते देश में आपातकाल फिर कभी न लगाया जाना संभव हो सके। क्योंकि ''पिंजरा तो सोने का भी बुरा होता है''। अभी भी वर्ष 1978 में संशोधित अनुच्छेद 352 में जो राज्य के किसी भाग की सुरक्षा के लिए शब्दों का उल्लेख है, का दुरुपयोग आपातकाल लगाने में पुनःसंभव है। संविधान के किसी भी अनुच्छेद जैसे 352 के दुरुपयोगों का यह पहला उदाहरण नहीं है। मध्यप्रदेश सरकार ने 26 जून 2024 को आपातकाल में लागू किये गये आंतरिक सुरक्षा अधिनियम एवं भारतीय सुरक्षा अधिनियम (डीआरआई) के अंतर्गत निरोधक, निवारक हिरासत (गिरफ्तार) किये गये समस्त लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिवारों का अभिनंदन किया। एक तरफ ''अभिनंदन'' वहीं दूसरी ओर ''हत्या'' कुछ कुछ अजीब सा नहीं लगता ? यदि हत्या शब्द को उचित मान भी लिया जाए तब भी क्या 25 जून 1975 को देश की संविधान की हत्या की गई थी? वास्तव में उस दिन संविधान की नहीं हो, ''लोकतंत्र की हत्या'' जरूर की गई थी। लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक प्रमुख मीडिया को सेंसर कर अनुच्छेद 19 में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कैंची चला दी गई, वहीं दूसरी ओर एक नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को तब छीना गया, जब अनुच्छेद 21 के मौलिक अधिकार को किसी भी स्थिति भी निलंबित नहीं किया जा सकता है। 44 वें संविधान संशोधन द्वारा इस स्थिति की ओर से पुख्ता किया गया। उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा है कि स्वतंत्रता का अधिकार ''मानव अधिकार'', है ''संविधान का उपहार नहीं''। वर्ष 1978 में जनता पार्टी सरकार ने 44वें संविधान संशोधन द्वारा ''आंतरिक अशांति'' को ''सशक्त विद्रोह'' शब्द से प्रतिस्थापित कर दिया गया। यदि वस्तुतः संविधान की हत्या हो गई थी, तब 1975 से लेकर आज तक हम किस संविधान के अंतर्गत संचालित है? इस प्रश्न का उत्तर हमे कहां मिलेगा?

आपातकाल जैसे कदम को भूलकर आगे बढ़ना होगा? : 140 करोड़ की जनसंख्या वाले इस देश में एक भी वयस्क जिसे आपातकाल के बाबत जानकारी दी गई हो, ऐसा नहीं होगा जो उसके समर्थन की कल्पना भी कर सकता हो? जिन लोगों ने सत्ता बचाने के लिये आपातकाल लगा कर लोकतंत्र को कुचला था, उन समस्त लोगों ने बारी बारी से इस दुष्कृत पर समय-समय पर माफी मांग ली। देश की जनता ने भी मात्र 3 वर्ष से कम समय में ही वर्ष 1980 के आम चुनाव में आपातकाल की दोषी उस कांग्रेस को माफ कर पुनः सत्तासीन कर दिया। हमें मानना होगा कि जनता उसको गलत नहीं मानती है, क्योंकि लोकतंत्र में चुनाव की जीत ही समस्त मुद्दों की जीत व हार तय करती है। इसलिए आपातकाल को यदि हम राजनीति का टूल बनायेगें तो यह द्विआधारी तलवार सिद्ध हो सकती है। ''हड्डी खाना आसान लेकिन पचाना मुश्किल'' है। सिख दंगों के बाद पंजाब में कांग्रेस की सरकार वापस आयी। इसका यह मतलब कदापि नहीं निकाला जाना चाहिए कि सिखों के दिल में पहुँची ठेस खत्म हो गई? उसी प्रकार वर्ष 1980 में कांग्रेस की जीत को आपातकाल के विरुद्ध निर्णय ठहराकर तथा सरकार द्वारा दिया गया सम्मान और सम्मान निधि, लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवारों के दिलों से आपातकाल की टींस व दर्द को समाप्त नहीं कर सकती हैं। अतः आपातकाल को एक राजनीतिक टूल न बनाकर लोकतांत्रिक इतिहास का वह काला अध्याय माना जाए, जिसे याद करने की बजाए एक दुःस्वप्न की भांति भूलने का प्रयास करना चाहिए। यह उतना आसान नहीं होगा, खासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने मीसा को भुगता है। वैसे कोई व्यक्ति अपने जीवन के काले अध्याय को कभी भी याद नहीं करना चाहेगा, तब सरकार क्यों इतिहास हो चुके काले अध्याय की याद दिलाना चाहती है?

एकीकृत कमान ही तोड़ेगी आतंकवाद की रीढ़

ले. जनरल डीएस हुड्डा

जम्मू संभाग से कैप्टन बृजेश थापा और तीन अन्य बहादुर सैनिकों के शहीद होने की दुखद खबर आई है। उन्होंने डोडा जिले के देसा वन में आतंक-रोधी अभियान में अपने फर्ज को अंजाम देते हुए जीवन की आहुति दी है। यह घटना पिछली वारदात के एक हफ्ते के अंदर घटी है, जिसमें सैनिकों पर घात लगाकर किए गए कातिलाना हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे। कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था।कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछ्ले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है। आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर सिवान ने भी इस कयास को कबूलते हुए कहा है 'कुछ घुसपैठ हो रही है, यह सबको मालूम है।'

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में दो मुख्य पहलू हैं। प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना। इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंततः उसका अपना नुकसान करेंगी। यह वह दीर्घ-कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं। दूसरा पहलू है, भारतीय भूमि से आतंकवाद को सख्ती से उखाड़ फेंकना। हालांकि सामान्य आतंक-रोधी अभियानों में कुछ झटके लगना स्वाभाविक होता है परंतु उनके सतत हमले, जिसमें आतंकवादियों को नुकसान की बनिस्बत सैनिकों और सिविलियनों की जानें ज्यादा जाएं, यह सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई रणनीति और उपायों पर गंभीर सवाल है। सैन्य नेतृत्व के लिए यह जरूरी है वे अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें, अपने निजी अनुभवों के आधार पर मेरे कुछ सुझाव हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा और वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा पर लागू आतंकी घुसपैठ रोधी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए जहां जरूरी हो, वहां अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए। तथापि, यहां पर इंसानी सहनशक्ति की सीमा की पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है। महीनों तक, लगातार काम में लगे रहने से थकान हावी होना स्वाभाविक है। जिससे ध्यान केंद्रित रखने में बाधा और गलतियां करने की संभावना बढ़ जाती है। इसका हल निकालने को तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कोई एक दशक से अधिक समय में सीमा पर 'स्मार्ट बाड़' लगाने की बातें चलती रही हैं लेकिन इस पर अमल लगातार नहीं हुआ है। अंतहीन पूर्व-परीक्षणों से सटीकतम हल पाने का इंतजार करने की बजाय हमें पहले वह बाड़ चुन लेनी चाहिए जो मौजूदा वाली से अधिक कारगर हो। साथ ही, हमें सुरंगों को पकड़ने वाली तकनीक को सुधारने की जरूरत है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार आतंकियों ने सीमा रेखा के आरपार ऐसी सुरंगें बना रखी हैं।

विशेष सुरक्षा बलों को आतंक-रोधी अभियानों में अधिक जिम्मेवारी दी जाए। यह हमारे वह सबसे बढ़िया प्रशिक्षित सैनिक हैं, जो पहाड़ी और वनीय इलाके में अक्सर छिपने वाले आतंकियों को ढूंढ़कर मार गिराने के लिए छोटी टोली में बंटकर, अभियान चलाने के लिए आदर्श रूप में सटीक बैठते हैं। अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात कर और चिह्नित इलाके में अपना काम करने का मुक्तहस्त देकर, हम अपने अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं। खुफिया सूचनाएं सफल अभियानों की रीढ़ की हड्डी होती हैं। अक्सर इंसान से मिली खुफिया जानकारी सबसे विश्वसनीय होती है। स्थानीय समुदायों को अपने साथ जोड़कर, हम अपने गुप्त सूचना तंत्र को विस्तार दे सकते हैं। बेशक कुछ ऐसे स्थानीय लोग भी होंगे, जो आतंकियों के पक्षधर हैं, लेकिन फिर भी जम्मू की कुल आबादी में अधिसंख्यक घोर राष्ट्रवादी हैं। इसलिए स्थानीय लोगों को शक की निगाह से देखने का परिणाम उलट हो सकता है। इसकी बजाय, हमें स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी और ग्राम सुरक्षा प्रहरी भर्ती करने चाहिए। ये लोग हमारे लिए आंख और कान का काम करेंगे, साथ ही आतंकियों के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम पंक्ति भी मुहैया करवाएंगे। अधिक खुफिया सूचना प्रवाह बनने पर, सुरक्षा बल अपना 'खोज एवं खात्मा' अभियान प्रभावी रूप से चला पाएंगे। फिलहाल उस इलाके में कई सुरक्षा संगठन काम में लगे हैं। सीमा सुरक्षा बल अंतर्राष्ट्रीय सीमा का ख्याल रखती है, केंद्रीय रिर्जव पुलिस बल अंदरूनी क्षेत्र में सड़क सुरक्षा प्रदान करती है तो केंद्र शासित प्रदेश का पुलिस बल स्थानीय कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए। सेना का मोटे तौर पर काम है आतंक-रोधी कार्रवाई चलाना। इन सभी संगठनों की अपनी अलग कमान व्यवस्था और सूचनार्थ पदानुक्रम है।

हालांकि अक्सर यह कहा जाता है कि इनके बीच आपसी संपर्क और समन्वय बढ़िया है, किंतु प्रबंधन में इस किस्म की प्रभावशीलता एकीकृत कमान एवं नियंत्रण तंत्र के समक्ष कमतर होती है। अपनी भूमिका की प्रवृत्ति के मद्देनजर, सूबा पुलिस को बेशक उप-राज्यपाल की शक्ति तले बनाए रखना होगा। लेकिन सेना, सीमा सुरक्षा बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, जिनका मुख्य काम आतंकरोधी कार्रवाई करना हैं, इन्हें एकीकृत कमान के तहत लाया जा सकता है। ऐसा होने पर सभी बलों के लिए समावेशी रणनीति, स्रोतों का समुचित उपयोग और खुफिया जानकारी का बेहतर आदान-प्रदान हो सकेगा। अधिक महत्वपूर्ण है कि कुछ चूक होने पर जिम्मेवारी तय हो सकेगी। यहां आलोचक भले ही दलील दें कि भारत ने विद्रोहियों से निपटने में पहले कभी भी एकीकृत व्यवस्था नहीं रखी। तथापि, हाथ से निकलती जा रही स्थिति की मांग है कि पुराने तंत्र को तोड़कर नया प्रभावीतंत्र बनाया जाए। एकीकृत कमान व्यवस्था अपनाना जम्मू में बढ़ते जा रहे आतंकवाद के खतरे का सामना करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

इन मुख्य उपायों सेङ्क घुसपैठ रोधी उपाय को सुदृढ़ करना, नवीनतम तकनीक का समावेश, विशेष सुरक्षा बलों का सशक्तीकरण, खुफिया तंत्र का विस्तार और एकीकृत कमान तंत्र बनाकरङ्क हम अपने आतंकरोधी प्रयासों को विस्तार दे सकते हैं और हमारे सैनिकों और सिविलियनों की जान की रक्षा की संभावना बेहतर बना सकते हैं। उम्मीद करें कि कैप्टन थापा और उनके साथी सैनिकों का बलिदान, उन सुधारों की दिशा में उत्प्रेरक का काम करेगा, जिनकी जरूरत शिद्दत से है। उनकी बहादुरी से इस इलाके की सुरक्षा का भविष्य सुनिश्चित हो सकेगा।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का इटारसी पहुंचने पर हुआ स्वागत

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को स्थानीय विश्रामगृह में भाजपा कार्यकर्ताओं, भारतीय जनता युवा मोर्चा ,महिला मंडल एवं नागरिकों द्वारा राज्यसभा सदस्य श्रीमती माया नारोलिया का जोरदार स्वागत किया गया वरिष्ठ भाजपा नेता ,दीपक हरि नारायण अग्रवाल, सोनू दीक्षित राजा तिवारी ,जागृति भदोरिया, ममता मालवीय ,मनोज मालवीय अर्पित रावत प्रमेश मालवीय विनोद बरसे, राकेश मालवीय आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि नर्मदा पुरम क्षेत्र में विकास की बहुत संभावना है राज्यसभा सदस्य होने के नाते इस क्षेत्र के विकास के लिए हम लोकसभा सदस्य दर्शन सिंह चौधरी के साथ सभी महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे ।श्रीमती नारोलिया ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन के प्राण है इनका सम्मान सदैव होते रहना चाहिए। हम आज जिस भी स्थिति में पहुंचे हैं उसके पहले एक साधारण कार्यकर्ता थे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव संयुक्त रूप से प्रदेश के विकास में कार्य कर रहे हैं। बहुत जल्दी नर्मदापुरम क्षेत्र में भी विकास के नए कार्य होते देखेंगे। भाजपा के नेता विकास नारोलिया भी साथ थे। श्रीमती नारोलिया का भाजपा नेता राजा तिवारी ने कार्यकर्ताओं से परिचय कराया। श्रीमती नारोलिया ने पत्रकार प्रमोद पगारे के स्वास्थ्य की जानकारी दी और उनके कुशल पूछा। इसके बाद ऑर्डिनरी फैक्ट्री जाते समय पथरौटा ग्राम में भी श्रीमति नारोलिया का भव्य स्वागत योगिराज पटेल के नेतृत्व में किया गया।इसके उपरांत निर्माण में प्रबंधन प्रबंधन के साथ परिचयात्मक बैठक जीएम आलोक कुमार अग्रवाल के साथ संपन्न हुई के बाद जीएम आलोक अग्रवाल ने चल एवं पेमेंट से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया एवं ऑर्डर फैक्ट्री के संबंध में जानकारी यदि और विकास के संबंध में चर्चा हुई इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक अग्रवाल भी उपस्थित थे।

सभी पटवारियों को अपने कार्यस्थल पर उपस्थित होने के लिए किया निर्देशित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पटवारी संघ द्वारा तहसील पिपरिया में पदस्थ पटवारी प्रवीण मेहरा की 10 जुलाई 2024 को मृत्यु की जाँच के लिए प्रस्तुत ज्ञापन के संबंध में अपर कलेक्टर नर्मदापुरम डी.के सिंह, संयुक्त कलेक्टर अनिल कुमार जैन एवं डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर द्वारा जाँच की गई।

प्रकरण में सरपंच, पटवारी, सचिव, ग्राम कोटवार एवं कथित छ- वारसान के विरूद्ध एफ.आई.आर दर्ज कराई गई थी। जिसके संबंध में अनुविभागीय अधिकारी पिपरिया से बिदुवार जबाब एवं समस्त अभिलेख तलब किए गए। जिनका सूक्ष्म अध्ययन कर एवं समस्त पहलुओं की विधिवत जाँच उपरान्त पाया गया कि ग्राम घाना की तीन हैक्टेयर भूमि पर फौती नामांतरण का आदेश 05 जनवरी 2022 को हुआ था जिसमें जीवित भूमि स्वामी सुपाल को मृतक बताकर तथाकथित वारिसों के नाम कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर नामांतरण किया गया था। प्रकरण की अपील एवं शिकायत होने पर मामला अनुविभागीय अधिकारी के संज्ञान में आया तब नियमानुसार पुर्नविलोकन आदि की अनुमति पश्चात विवादित आदेश निरस्त

गठित समिति द्वारा पटवारी प्रवीण मेहरा की मृत्यु की जांच की गई

किया जाकर वाद भूमि मूल भूमि स्वामी सुपाल के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज की गई। संपूर्ण प्रकरण में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उक्त कार्यवाही तत्कालीन कलेक्टर के संज्ञान में लाकर की गई थी। प्रकरण के अवलोकन से स्पष्ट है कि अनुविभागीय अधिकारी द्वारा की गई कार्यवाही विधिक प्रक्रिया के तहत ही की गई थी। श्री मेहरा की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु पर समिति द्वारा शोक व्यक्त किया गया। उक्त घटना के संबंध में 10 जुलाई 2024 की पीएम रिपोर्ट एवं एवं 9 जुलाई 2024 की निदान अस्पताल पिपरिया की लैब रिपोर्ट का अवलोकन पर पाया गया की मृतक पटवारी को डैंगू था एवं मल्टीपल ऑर्गन फेलियर से हदयाघात के कारण मृत्यु हुई। 16 जुलाई 24 को सायं 7 बजे, पटवारी संघ द्वारा 9 पटवारियों के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पिपरिया के विरुद्ध बिंदुवार शिकायत प्रस्तुत की गई। सभी सम्बंधित पटवारियों को समिति द्वारा जांच में अपने कथन देने के लिए सूचित किया गया किन्तु कोई भी पटवारी उपस्थित नही हुआ। अपर कलेक्टर डी के सिंह द्वारा बताया गया है कि जांच प्रचलन में है तथा सभी पक्षो के कथन, साक्ष्य, दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत ही निर्णय लिया जाना संभव है। उन्होने पटवारी हड़ताल के कारण जनता को हुई असुविधा पर खेद प्रकट करते हुए, सभी पटवारियों को तत्काल कार्यस्थल पर उपस्थित होने के निर्देष दिए।

राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड में मेहरागांव के छात्र पीयूष मालवीय का चयन हुआ

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड आयोजन भोपाल में जिले के शा0 हा0 सेकेण्डरी स्कूल मेहरागांव के छात्र पीयूष मालवीय का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिये किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं कार्यालय द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई एवं शा0 हा0 सेकेण्डरी स्कूल मेहरागांव के प्राचार्य और सभी शिक्षकों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की गई है। छात्र पीयूष मालवीय के चयन पर उनके परिवार एवं शहर में खुशी का माहौल है।

आष्टा जनपद पंचायत परिसर में रोजगार मेला आयोजित में 26 आवेदकों का प्राथमिक चयन

सीहोर। जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर) द्वारा आष्टा जनपद पंचायत परिसर में 17 जुलाई को रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेला में 118 आवेदकों ने भाग लिया जिसमें सिक्युरिटी एण्ड इन्टेलिजन्स सर्विसेज (एसआईएस) अनूपपुर द्वारा सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षा अधिकारी के पदों पर 26 आवेदकों का चयन किया गया। आष्टा में आयोजित इस मेले में कुल 350 आवेदकों की भर्ती की जाना है। जनपद पंचायत परिसर आष्टा में यह मेला 18 जुलाई को भी आयोजित किया जाएगा।

500 ग्राम सैंपल के नाम से ले रहे है 1 से 2 किलो मूंग

समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के नाम पर किसानों से हो रही है लूट

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

ग्रीष्म कालीन मूंग को पैदा करने के लिए किसानों को बडी ही मस्कत का सामना करने के बाद कहीं जाकर मूंग पैदा होती है। पहले तो मूंग बेचने के लिए किसान सरकार के सामने अपना आंदोलन करता नजर आया फिर उसके बाद में समर्थन मूल्य पर बनाए गए मूंग खरीदी केंद्रों पर किस प्रकार से समिति प्रबंधक और सर्वेयर द्वारा मनमानी करके किसानों को लूटा जा रहा है यह हम आपको आज बताने की कोशिश कर रहे हैं।

इन दिनों मूंग खरीदी केंद्रों पर किसानों की मूंग रिजेक्ट करने के बाद पैसा लेकर खरीदी की जानकारी लगातार किसान संघ को किसानो द्वारा मिल रही है। सिवनी मालवा किसान संघ तहसील के पदाधिकारीओ ने आज जमानी के वेयरहाउस मैं मूंग खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गया। जहा पर सर्वेयर एवं समिति द्वारा सैंपल की मात्रा एक से डेढ़ किलो तक किसानों की ट्रॉली से लिया जा रहा है जबकि नियम अनुसार 500 ग्राम से ज्यादा मूंग किसानों से नहीं ली जा सकती है। किसान संघ ने कृषि विस्तार अधिकारी को बुलाकर किसानों के ही समक्ष पंचनामा बनाकर यह पाया गया कि वास्तव में किसानों से सैंपल के नाम से 1 से 2 किलो मूंग ली जा रही हैं। किसानों ने बताया कि सर्वेयर द्वारा एफ.ए.क्यू मूंग को फेल करके 5000 रुपए प्रति ट्राली तक मांग कि जा रही है तो वही दूसरी और वेयरहाउस में लगी हुई स्टेग में क्वालिटी हीन मूंग रखी हुई पाई गई। भारतीय किसान संघ के जगदीश पाटील और रामेश्वर जाट ने बताया कि मूंग खरीदी केंद्रों पर मूंग खरीदी के नाम पर पैसे की मांग की शिकायत डोलरिया और बैराखेड़ी सहित अन्य जगह से मिल भी आ रही है जहा पर मूंग तुलाई के नाम पर 100 रुपए कुंटल के हिसाब से किसानों से पैसे लिए जा रहे हैं वहीं अधिकतर वेयरहाउस पर हाथ कांटे से तुलाई कर किसानों को बेजबरन परेशान भी किया जा रहा है।

उपार्जन केंद्रों पर गैर उपार्जित मूंग का भंडारण नहीं हो : कलेक्टर

जिला कलेक्टर के अध्यक्षता में जिला स्तरीय उपार्जन समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में सर्व संबंधितों को निर्देशित किया गया कि किसी भी ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन केंद्र पर बिना खरीदा हुआ मूंग का भंडारण नहीं किया जाएगा तथा यह सुनिश्चित करें की स्वक्तमूंग उपार्जित हो। उप संचालक कृषि द्वारा बताया गया कि जिले के समस्त उपार्जन केंद्रों पर आज दिनांक तक 13585 किसानों से 324260 क्विंटल मूंग का उपार्जन किया गया है। जिला विपणन अधिकारी द्वारा बताया गया कि उपार्जन के दौरान गुणवत्ता परीक्षण करने के लिए सभी उपार्जन केंद्रों पर सर्वेयर नियुक्त किए गए हैं। ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन के दौरान हह्हह स्वक्तमूंग का उपार्जन पाए जाने पर 17 सर्वेयर को हटाया गया है। कलेक्टर महोदया द्वारा सभी को निर्देशित किया गया कि एसडीएम और खंड स्तरीय उपार्जन समिति सदस्य सभी उपार्जन केंद्रों का निरंतर भ्रमण कर, उपार्जन कार्य की निगरानी करें, किसी भी स्थिति में ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन में हह्हह स्वक्तमूंग का उपार्जन नहीं होना चाहिए। उपार्जन केंद्रों पर प्रदाय बारदाने और उपार्जित मूंग की मात्रा का मिलान करे। उपार्जन केंद्रों पर आए हुए किसानों के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें, उपार्जन केन्द्रों पर किसान परेशान नहीं होना चाहिए।

मूंग उपार्जन कार्य में लापरवाही बरतने पर 17 सर्वेयर एवं 1 सुपरवाइजर को हटाया गया

सिवनी मालवा। भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत अंतर्गत वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन का कार्य जिले में सहकारी/विपणन समितियों के माध्यम से नेफेड खाते में 101 उपार्जन केन्द्रों पर 13 हजार 377 कृषक बंधुओं से 31 हजार 828.059 मेंटन मूंग की खरीदी की जा चुकी है। जिले में उपार्जन केंद्रों पर मूंग की गुणवत्ता जांच हेतु नेफेड द्वारा नियुक्त सर्वेयर/सुपरवाइजर एजेन्सी Inwoon IT Innovations Pvt Ltd के माध्यम से जिले के उपार्जन केन्द्रों पर कराया जा रहा है। केंद्रों पर कार्यरत सर्वेयर, सुपरवाइजर द्वारा मूंग की गुणवत्ता जांच में देरी/अनियमितता के संबंध में जिला प्रशासन को शिकायत प्राप्त हो रही थी। जिसके बाद जिला प्रशासन ने तुरंत एक्शन लेते हुए 14 सर्वेयर कौशल पटेल, कपिल डांगी, विजय कर्मी, मयंक विटले, आयुष शुक्ला, पृथ्वी चौहान, शिवम कुमार उमरिया, पंकज कुर्मी, निकुंज बिहारी, आकाश प्रजापति, शरद यादव, सुनील कुमार त्रिवेदी, लीलाधर पटेल एवं अभिषेक दायंदे तथा 15 जुलाई को 01 सुपरवाइजर शैलेन्द्र सिहं दांगी एवं 3 सर्वेयर अर्जुन कर्मी, अशोक कुमार पटेल, बबलन पटेल को कार्यस्थल पर समय पर उपस्थित नहीं होने, कार्य में अनियमितता, उपार्जन कार्य में देरी से हैंडलिंग करने, चालान की गुणवत्ता जांच समय पर न करने एवं एफ.ए.क्यू, मापदण्ड अनुसार खरीदी न करने के कारण कार्य से पृथक किया गया। इस प्रकार जिले में विगत 07 दिवसों में मूंग उपार्जन कार्य में लापरवाही बरतने के कारण 17 सर्वेयर एवं 1 सुपरवाइजर को कार्य से पृथक किया गया। वर्तमान में जिले में मूंग खरीदी सुचारू रूप से जारी है।

मेट्रो एंकर | रपटा, पुल, पुलिया पर पानी होने पर रास्ता पार नहीं करें

वर्षा के दौरान नदी, तालाब व डेम के आसपास पिकनिक मानने न जाएं: कलेक्टर की अपील

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वर्षा के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक नदी, तालाब व डेम के आसपास पिकनिक मनाने जाते हैं। कई बार थोडी सी लापरवाही से बड़ी घटनाएं घटित हो जाती हैं। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सभी नागरिकों से खतरनाक और गहरे पानी वाली जगहों पर नहीं जाने की अपील की है। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अविभवकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नदी, तालाब, पोखर में नहाने अथवा पिकनिक के लिए जाने से मना करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि नदी, नाले, पुल, पुलिया, रपटा पर जलभराव की स्थिति में वहां से गुजरने वाले रास्तों को बाढ़ एवं पानी होने की स्थिति में पार न करें। इसके साथ ही कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जिले के सभी तालाबों, डेम, नदी, नालों और जल भराव वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखें और स्थानीय लोगों से सम्पर्क में रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने वर्षा, जल भराव और अतिवृष्टि की स्थिति में लोगों को ऐसी जगहों से हटाने और वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही गहरे पानी वाली जगहों पर लोगों को जाने से रोकने के निर्देश दिए हैं।

जिले में 01 जून से 17 जुलाई तक 289.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

सीहोर। जिले में बीते 24 घंटे में प्रात:08 बजे तक 12.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 4.0, मिलीमीटर, श्यामपुर में 0.0, आष्टा में 2.0, जावर में 0.0, इछावर में 4.0, भैरूंदा में 2.0, बुधनी में 40.0, रेहटी में 48.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में 01 जून से 17 जुलाई तक 289.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज जिले में 01 जून से 17 जुलाई को प्रात:8 बजे तक 289.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 424.4 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 17 जुलाई 2024 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 368.5, मिलीमीटर, श्यामपुर में 335.5, आष्टा में 246.0, जावर में 207.0, इछावर में 516.5, भैरूंदा में 200.2, बुधनी में 179.0 तथा रेहटी में 266.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

अभी आरोपियों को नहीं कर रही गिरफ्तार,भू माफिया ने फर्जी बनवाया था मृत्यु प्रमाण पत्र

धोखाधड़ी कर संपत्ति हड़पने वालों पर पुलिस को कार्रवाई करने में लग गया एक साल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जलसजी करके फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर संपत्ति हड़पने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसते हुए रोहिल पुर निवासी यूसिफ एवं यूनिस खान पर धारा 420,467,468,471 एवं 34 आई पी सी तहत मामला दर्ज करके आरोपी की खोजबीन की जा रही है एसडीओ की उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि शादम पति शरफत अली गांधीनगर भोपाल में शिकायती आवेदन दिया था कि जिन मो ,वी पति राफीक खांन की मृत्यु भोपाल में रहते हुए 2003 में हो गई थी और यही पर इनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाया गया है। वहीं कूट रचित करके यूसिफ एवं यूनिस खान ने इनकी सिरोंज की संपत्ति को हड़पने के लिए इन्हीं का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र नगर पालिका सिरोंज में साठ गांठ करके 2022-23 में फर्जी तरीके से तैयार करवा कर दस्तावेजों में लगाकर इनका मकान और संपत्ति को अपने नाम गलत तरीके से करवा ली इस मामले की शिकायत विदिशा पुलिस अधीक्षक की गई उनके निर्देश पर थाना प्रभारी संदीप कुमार पावंर के द्वारा प्रकरण 8 जुलाई को दर्ज किया गया आरोपियों को अभी भी गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। एक साल से फर्जीवाड़ा करने वालों पर मामला दर्ज करवाने के लिए पीड़ित पक्ष ने स्थानीय पुलिस को दस्तावेजों के साथ कई बार आवेदन दिए पर भूमाफिया को स्थानीय प्रशासन का संरक्षण प्राप्त होने की वजह से कार्रवाई नहीं हो पा रही थी।

कॉलोनी काटने का करते हैं धंधा - गड़बड़ी करके दूसरों की संपत्तियों को हड़पने वाले त आम जनता को भी चूना लगाने में पीछे नहीं है अवैध रूप कॉलोनी काटकर प्लाट बेचने का काम किया जा रहा है जमीन पर रहने वाले आसमान से बातें करने लगे हैं। इस वजह से गड़बड़ियों को अंजाम दे रहे हैं। जब भी कार्रवाई का मौका आता तो पैसा भी पानी की तरह फेंकते इस वजह से पुलिस प्रशासन इतने बड़े मामले में भी कार्रवाई करने की जगह पर उसको लटकती रही 420 बी का प्रकरण दर्ज करने के निर्देश एसपी को देने पड़े तब जाकर एक साल में मामला दर्ज हो पाया अभी भी आरोपी पुलिस की पहुंच से दूर है. जबकि सूत्र बताते हैं कि आरोपी सिरोंज में ही रह रहे हैं पर उनको फरार बता रही है।

एसपी के निर्देश पर हुआ मामला दर्ज

गड़बड़ी करके फर्जी मृत्यु प्रमाण तैयार करके संपत्ति को गोलमाल करने की शिकायत पीड़ित ने दस्तावेजों के साथ पुलिस अधीक्षक निर्देशों के बाद पूरे मामले की जांच प्रारंभ हुई । एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के द्वारा की गई तब जाकर पुलिस मामला दर्ज करने की हिम्मत दिखा उसके लिए भी कई दिन लग गए जबकि मामला बहुत ही ज्यादा गंभीर था क्योंकि फर्जी दस्तावेज तैयार करके महिला को दोबारा से मृत्यु बताने का काम किया गया जिसकी मृत्यु 2003 में हो चुकी थी उसी को 2022-23 में फिर से मोत बताकर उसका नगर पालिका सिरोंज से मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किया गया और फिर आगे सरकारी दस्तावेजों में लगाकर संपत्ति को भी अपने नाम कर लिया इस मामले में भी पुलिस कार्रवाई करने में आना-कानी कर रही थी इससे अंदाज लगा सकता है कि स्थानीय पुलिस और प्रशासन का कितना संरक्षण भूमाफियाओं को प्राप्त है या फिर उनके पैसे के दम पर प्रशासन भोले भाले और पीड़ितों की शिकायत पर कार्रवाई नहीं करती। किस वजह से फर्जीवाड़ा करने वालों के हौसले बुलंद हो रहे हैं और लोगों को नए-नए तरीके अपना कर चूना लगा रहे हैं ।

गंभीर मामले में भी आरोपी नहीं हुए गिरफ्तार -

एसडीओ की उमेश कुमार तिवारी ने मामले की गंभीरता से जांच करके रिपोर्ट भेजने थी इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रकरण दर्ज तो कर लिया लिया गया पर इस खेल को अंजाम देने वाले आरोपियों को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। एसडीपी ने बताया कि युसूफ और यूनिस खान निवासी रोहिल पुर ने संपत्ति को हड़पने के लिए कूट रचित की वारदात को अंजाम दिया था जिसकी शिकायत भोपाल में रहने वाले शामदा खान निवासी भोपाल से लेकर विदिशा और सिरोंज थाने में की थी मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करके दोनों पर फर्जीवाड़ा करने का केस दर्ज करवाया है। अब दोनों फरार चल रहे हैं पैसे से कॉलोनी काटकर लोगों को चूना लगाते हैं अधिकांश कॉलोनी के द्वारा फर्जी तरीके से काटी गई है। जनता जनार्दन के साथ धोखा करके पैसे कमाए जा रहे हैं और इन्हीं पैसों से मौज मस्ती कर रही है और पुलिस प्रशासन भी गड़बड़ी करने वालों पर हाथ डालने में कतर रहे है।

इनका कहना है -

फर्जी तरीके से मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले यूनिस,यूसिफ 420 वी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार चल रहा है । आरोपियों को गिरफ्तार करवाएंगे ।

उमेश कुमार तिवारी एसडीओपी

ग्राम खुशालपुरा में डाले सीसी रोड की निकली गिट्टियां, इंजीनियर ने भी किया स्वीकार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नटेरन ग्राम पंचायत बरोदिया अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खुशालपुरा में एक सी सी रोड हाल ही में डाला गया था, वह सी सी रोड गुणवत्ताहीन होने की वजह से समय से पूर्व ही खराब हो गया है और सी सी रोड के निर्माण में उपयोग की गई गिट्टी निकल आई हैं। इस बात को इंजीनियर ने भी स्वीकार किया है। उक्त सी सी रोड की जांच होने के बाद भी सरपंच सचिव में से किसी के भी खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। जब कि पूर्व में जनपद सदस्य द्वारा भी अपने लेटर पैड पर लिखित शिकायत की गई थी,उक्त शिकायत को भी किसी ने भी गंभीरता पूर्वक नहीं लिया गया। क्योंकि सरपंच और सचिव को सत्ताधारी नेताओं का संरक्षण प्राप्त होना प्रतीत होता है। ग्राम पंचायत बरखेड़ा माखू और ग्राम पंचायत बरोदिया,शायद सत्ताधारीयों की दम पर ही चल रही है। क्योंकि परिस्थितियां देख कर लगता तो कुछ ऐसा ही है,परंतु विचार करने बाली बात यह है कि जब सब कुछ समाचार पत्र में प्रकाशित खबर से ग्राम पंचायत में किया गया भ्रष्टाचार सार्वजनिक हो गया है फिर अधिकारीयों को किसका डर है,और किस के डर से कार्यवाही करने से कतरा रहे हैं। और भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव के विरुद्ध कार्यवाही करने में इतना समय क्यों लग रहा है,जनपद पंचायत में बैठे हुऐ जिम्मेदार किस के साथ है उनके साथ जो भ्रष्टाचार में लिप्त है। अधिकारियों और सरपंच सचिव यह क्यों भूल जाते हैं कि आन-लाइन दस्तावेज को नहीं हटाया जा सकता,और जो कि ग्राम पंचायत में किये गये भ्रष्टाचार का जीता जागता प्रमाण है।

नाबालिग बेटी की तलाश में दर-दर की ठोकरें खाते हुए भटक रहा पिता

सिरोंज। मध्य प्रदेश सरकार लाडली लक्ष्मी और लाडली बहनों की हितेषी होने के भले तमाम दावे करे, लेकिन इसके बावजूद मध्य प्रदेश महिला और नाबालिग लड़कियों के लिए असुरक्षित राज्य साबित हो रहा है। पुलिस की पकड़ ढीली होती जा रही है या यूं कहे कि पुलिस बेलगाम होती जा रही है। पुलिस का मूल कर्तव्य है कानून व्यवस्था व लोक व्यवस्था को स्थापित रखने तथा अपराध नियंत्रण व निवारण तथा जनता से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करना, यहां पुलिस के जो कर्तव्य है वह विपरीत साबित हो रहे हैं। पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है । पुलिस की कार्य प्रणाली हमेशा ही सवालों के घेरे में रहती है। ताजा मामला मुरवास थाने का है, मुरवास थाने के ग्राम बरखेड़ा घोसी में एक युवक नाबालिग लड़की को अपने साथ जबरदस्ती अपनी पिकअप में बैठा कर भगा ले जाता है। नाबालिग लड़की के पिता द्वारा इसकी सूचना थाना मुरवास में दी जाती है थाना प्रभारी मुरवास द्वारा एफ आई आर कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। पिता अपनी नाबालिग बेटी की तलाश में विदिशा पुलिस कप्तान से लेकर मुख्यमंत्री तक अपनी गुहार लगा चुका है कि मेरी बेटी को एक बार मुझसे मिलवा दो लेकिन मजाल क्या कि किसी को असहाय पिता के हृदय की रुदन सुनाई दे रही हो। सवाल यह है कि रिपोर्ट नाम दर्ज तो फिर कार्यवाही क्यों नहीं । मुरवास पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाना तो लाजमी है क्योंकि पिता द्वारा जब नाम दर्ज रिपोर्ट की गई है तो आज तक पुलिस ने क्या कार्यवाही की, पुलिस किस चीज का इंतजार कर रही है, आखिरकार किसके दवाब पर कार्यवाही रुकी हुई है, पुलिस के इस ढुलमुल रवैया से नाबालिग का पिता परेशान हैं तो आमजन में असंतोष व्याप्त है।

इनका कहना है -

मेरी नाबालिग बेटी को मेरे गांव का युवक जबरदस्ती अपने साथ ले गया, मेने इसकी लिखित शिकायत थाना मुरवास, एस पी विदिशा, आई जी भोपाल, सी एम हाउस भोपाल में की है, मेरी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है।

नाबालिग लड़की के पिता ।

पुलिस द्वारा लगातार दविश दी जा रही है, लड़के के परिवार वालों को बुलाकर पूछताछ की गई है तकनीकी साधनोंके आधार पर कार्यवाही की जा रही है हम जल्दी ही लड़की को खोज निकलेंगे।

***अजय मिश्रा** एस डी ओ पी लटेरी*

50 लाख की ठगी का मामला दर्ज

सिरोंज। इसी तरह सिरोंज में ही कॉलोनी का मामला दो पक्षों के बीच में विवाद में आया जो कि आरोन रोड पर स्थित है उसके नामांतरण को लेकर भी प्रशासन काफी चर्चाओं में आया था जमीन पर कब्जा दिलवाने के नाम पर माजिद गादी से 50 लाख रुपए की राशि लेने का काम भी यूसिफ,यूनिस किया एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया की दोनों मिलकर मजिद गादी को भोपाल ले गए मछली कारोबारी सफीक से मिलवा कर पैसे ले लिए। पीड़ित की शिकायत पर इन तीनों पर 420 बी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है । इस मामले में भी गिरफ्तारी नहीं हुई है आखिर खुलेआम धोखाधड़ी करने वालों पर पुलिस प्रशासन इतनी मेहरबान क्यों है जबकि छोटे-छोटे मामलों में पुलिस तत्काल कार्रवाई करके गिरफ्तारी भी कर लेती है पर इतने बड़े मामले को हल्के में लेने का काम किया जा रहा है।

तहसील न्यायालयों में 14 सितम्बर को लगेगी नेशनल लोक अदालत

रायसेन । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 14 सितम्बर 2024 नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय रायसेन एवं समस्त तहसील न्यायालयों में किया जाएगा। इस नेशनल लोक अदालतों में न्यायालयों में लंबित सभी राजीनामा योग्य सिविल और आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक रिकवरी संबंधी मामलें, एमएसीटी प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत एवं जलकर/बिल संबंधी प्रकरण (चोरी के मामलों को छोड़कर), सेवा मामलें जो सेवा निवृत्त संबंधी लाभों से संबंधित है, राजस्व प्रकरण, दीवानी मामलें तथा अन्य समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य, प्रीलिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एकता पब्लिक स्कूल सिरोंज में पौधारोपण

सिरोंज। वदिशा के सिरोंज मे बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपूर्व उत्साह के साथ एकता पब्लिक स्कूल की छात्र-छात्राओं द्वारा पौधारोपण कराया गया पौधारोपण के इस कार्यक्रम में सीआरसी शोएब खान, अशासकीय शिक्षण संघ के सिरोंज ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शब्बू गौरी शामिल हुए।स्कूल प्राचार्य ने कहा हमारे स्कूल का हर छात्र अगर एक पौधा लगाएगा तो आने वाले समय में हमारी प्रकृति खुशहाल होगी और हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी। वहीं सीआरसी शोएब खान ने वृक्षों के संरक्षण को लेकर अपील की एवं अशासकी शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा पर्यावरण संरक्षण के लिये एवं अपनी धरती माता को हरा-भरा रखने के लिये एक पेड़ लगाने बात कही तो वहीं वरिष्ट पत्रकार शब्बू गौरी ने कहा सभी लोग एक पेड़ अपनी मां के नाम पर जरुर लगाएं, क्योंकि दुनिया में सबसे अनमोल रिश्ता मां से होता है. अंत में कार्यक्रम की आयोजक चारू सोनी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा पेड़ लगाना बहुत ही अच्छी पहल है परंतु पेड़ लगा कर उसकी देखभाल करना बडी बात है। लोग अत्यधिक पौधे लगाकर उसकी देखरेख करना भूल जाते हैं। इसलिए एक पेड़ माँ के नाम एक बहुत ही अच्छी पहल है पेड़ की देखभाल भी माँ की तरह ही करनी होगी। तब ही पेड़ लगाने का उद्देश्य पूरा होगा।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने मूंग उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायसेन। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा मंगलवार को उदयपुरा विधानसभा के ग्राम सिलगेना और चंदपुरा पहुंचकर मूंग खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए की उपार्जन हेतु आने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने किसान भाइयों से संवाद करते हुए कहा कि उनकी हर समस्या का समाधान शीघ्र होगा। शासन के नियमों के विरुद्ध अनुचित कार्य करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि किसानों को मूंग उपार्जन कार्य में समस्याएं आने की जानकारी प्राप्त होने पर राज्यमंत्री द्वारा मूंग उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर उपार्जन कार्य का जायजा लिया जा रहा है।

एक पौधा माँ के नाम अभियान के तहत क़ब्रस्तान मे वृक्षारोपण किया गया

एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत निजी कब्रिस्तान भूमि जो कि एह लें इस्लाम नाम से कब्रिस्तान है सिरोंज नगर के संस्कार गार्डन के पीछे स्थित निजी कब्रिस्तान में एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत लगाए गए जिसमें 18 आम के पौधे लगाए गए जिला वक़्फ़ कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ वसीम ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा एक पौधा मां के नाम जो अभियान चलाया गया है इसे लोग जागरुक हो रहे हैं और पेड़ पौधे जगह-जगह लगाए जा रहे हैं इसी क्रम में हम लोगों ने भी पहले इस्लाम कब्रिस्तान के अंदर लगभग 18 आम के पौधे व्यवस्थित तरीके से लगाए है इस अवसर पर सैयद नजीर हुसैन, जहीर अहमद नदवी, सैयद अमजद हुसैन, शयन अली, उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

राजस्व महा अभियान का क्रियान्वयन 31 अगस्त तक

राजस्व सम्बन्धी सभी प्रकरण आरसीएमएस दर्ज कराए जाएं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश व्यापी राजस्व महा अभियान 2.0 का क्रियान्वयन जारी है। यह अभियान 16 जुलाई से शुरू हुआ है जिसका 31 अगस्त तक कियान्वयन किया जाएगा। अभियान के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालय आरसीएमएस में समय सीमा पर लंबित प्रकरणों नामांतरण बंटवारा अभिलेख दृष्टि का निराकरण नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना नक्शे पर तरमीम पीएमकिसान का सैचुरेशन समग्र का आधार से ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन शामिल है। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा राजस्व महाअभियान 2.0 के संबंध में जारी दिशा-निर्देश व अवधि दरमियान क्रियान्वित गतिविधियों के संबंध में बताया कि खसरों और नक्शे में अमल राजस्व सम्बन्धी सभी प्रकरण आरसीएमएस दर्ज कराए जाएं। ऐसे प्रकरण जो की अभी न्यायालय में ऑफलाईन प्रचलित है, अथवा किसी कारण से नम्बर से उतर गए हों, उन्हें आरसीएमएस पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। ये देखने में आया है, कि राजस्व न्यायालय में नामांतरण, बंटवारे के आदेश पारित होने के बाद भी राजस्व अभिलेखों (खसरा, नक्शे में आदेश का अमल नहीं हुआ है। सभी राजस्व न्यायालय इन आदेशों का अभिलेखों में अमल करेंगे। ये कार्यवाही 31 जुलाई तक पूरी की जाए।

तहसील न्यायालयों का निरीक्षण -

संभागायुक्त द्वारा प्रत्येक जिले की कम से कम एक तहसील का निरीक्षण और कलेक्टर, अपर कलेक्टर, अनुविभाग अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार की सभी तहसीलों, टप्पों का शत-प्रतिशत निरीक्षण सात अगस्त तक पूरा कर ये सुनिश्चित किया जाएगा कि तहसीलों और टप्पों में की व्यवस्था विधिवत लागू है, और न्यायालय में कोई भी प्रकरण ऑफलाइन नहीं है। पूर्व के सभी न्यायालयीन आदेशों का राजस्व अभिलेखों (खसरा, नक्शे में अमल किया जा चुका है। इस हेतु सभी संभागायुक्त एक प्रमाण पत्र दिनांक 10 अगस्त 2024 तक उपलब्ध करायेंगे।

आरसीएमएस पर लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण

राजस्व अधिकारियों द्वारा 30 जून 2024 की स्थिति में समय सीमा पार कर चुके लम्बित प्रकरणों को चिन्हित किया जाए तथा नियमित सुनवाई कर नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जाए। प्राथमिकता से पुराने प्रकरणों का निराकरण किया जाए। अभियान के दौरान प्राप्त अविवादित प्रकरणों का निराकरण भी अभियान अवधि में सुनिश्चित किया जाये। प्राप्त नामांतरण अविवादित होने की स्थित में 1 माह की समयसीमा के भीतर निराकरण किया जाए तथा पूर्व से दर्ज बटवारा प्रकरण अविवादित बंटवारा होने की दशा में तीन माह की समय सीमा में निराकरण किया जाए। साथ ही यह प्रमाण पत्र प्रेषित किया जाए कि दिनांक 30 जून 2024 की स्थिति निराकृत प्रकरण का अभिलेख में अमल सुनिश्चित किया जा चुका है। 30 जून 2024 को समय-सीमा बाह्य के लंबित नामातंरण प्रकरणों (विवादित, अविवादित) का निराकरण सुनिश्चित करते हुए दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। रिकार्ड में बहुत से भूमिस्वामी ऐसे दर्ज हैं। जिनकी मृत्यु काफी समय पहले हो चुकी है, परन्तु उनके उत्तराधिकारियों के पक्ष में नामांतरण का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। इस अभियान के तहत उत्तराधिकार नामांतरण के प्रकरणों को भी दर्ज कर निराकरण किया जाए। 30 जून 2024 को समय-सीमा बाह्य के लंबित बंटवारा प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करते हुए दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। जिससे भूमि की सीमा नक्शे में उपलब्ध होने पर विवादों का निराकरण किया जा सके। 30 जून 2024 को 06 माह की अवधि के लंबित सभी प्रकार के अभिलेखों के शुद्धिकरण के प्रकरणों का निराकरण शीघ्र किया जाए।

कार्यालय थाना प्रभारी अरेरा हिल्स, जिला भोपाल

राजभवन रोड फोन : 0755-2677392, 9479990882 ई मेल : Arerahills@gmail.com

क्र./था.प्र/ था./ अरेरा हिल्स/ भो/ मर्ग. क्रं. 19/2023 भोपाल दिनांक 10/07/2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना अरेरा हिल्स के मर्ग क्र. 19/2023 धारा 174 जा.फौ. के अज्ञात मृतक के परिजन व पतारशी के संबंध में सूचित किया जाता है कि दिनांक 16/11/2023 को सूचक अशीष सिंह राजपूत मोबा. दं. 7746978309 ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मै उपरोक्त लिखाये पते पर रहता हूं आज दिनांक 16/11/2023 को सुबह लगभग 09.30 बजे पीतल मंदिर के पास टहलने गया था वहीं पर एक आदमी अर्धनग्न अवस्था में पड़ा है जो नीले रंग की जींस पहने है तथा ऊपरी हिस्सें पर कोई कपडे नहीं है जिसके हाथ में कलावा बंधा है चेहरे पर दाढ़ी मूंछें हैं जिसकी उम्र लगभग 30-35 वर्ष होगी जिसे देखा तो मृत अवस्था में पडा है जिसके शरीर पर बाहरी तौर से देखने पर कोई चोट नहीं दिख रही है संभवतया रात्रि में ठण्ड लगने से मौत हो गई है। जिसकी सूचना देने थाना आया हूं। सूचना पर मर्ग क्रमांक 19/2023 धारा 174 जाफौ का कायम किया जाकर जाँच में लिया गया है अज्ञात मृतक की अभी तक पहचान नहीं हुई है जिसका हुलिया निम्नानुसार है कद लगभग 05 फिट 06 इंच,-रंग गेहुंआ जो नीला जींस, काले रं की लक्स कोजी कम्पनी की अण्डरबियर पहने है दाढी मूंछे बढी हुई थी दाहिने हाथ की कलाई पर टैटू गुदा हुआ था।

अज्ञात मृतक की पहचान के संबंध में कोई सूचना प्राप्त होती है तो थाना अरेराहिल्स मोबा. 07552677392, थाना प्रभारी अरेराहिल्स मोबा. नं. मोबा. नं. 9479990682 जाँचकर्ता मोबा. नं. 87702490 पा सूचित करने का कष्ट करें।

थाना प्रभारी

थाना अरेरा हिल्स, भोपाल

G-13543/24

भारत-श्रीलंका सीरीज का शेड्यूल जारी

26 जुलाई को पल्लेकेले में पहला टी-20 मैच; हसरंगा ने छोड़ी कप्तानी

हम्बर्ग, एजेंसी

भारत का श्रीलंका दौरा 26 जुलाई से शुरू हो रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज का शेड्यूल जारी किया। वहीं, दौरे से ठीक पहले श्रीलंका के टी-20 कप्तान वानिंदू हसरंगा ने कप्तानी भी छोड़ दी। यह दौरा भारतीय टीम के नवनियुक्त हेड कोच गौतम गंभीर का पहला असाइनमेंट होगा। साथ ही श्रीलंका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सनथ जयसूर्या भी इस दौरे से अपने इंटरनेशनल कोचिंग करियर की शुरुआत करेंगे। शेड्यूल के अनुसार, टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला पल्लेकेले में 26 जुलाई को शाम 7:00 बजे से खेला जाएगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 1 अगस्त से कोलंबो में होगी। फिलहाल, इस दौरे के लिए दोनों टीमों का ऐलान नहीं हुआ है।

भारतीय कोच गौतम गंभीर का पहला असाइनमेंट होगा

गौतम गंभीर 2 दिन पहले टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं। बतौर भारतीय कोच गंभीर का यह पहला असाइनमेंट होगा। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली है। द्रविड़ का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

रोहित-कोहली, बुमराह को वनडे सीरीज से आराम

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के सीनियर प्लेयर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को श्रीलंका दौरे से आराम दे सकता है। हार्दिक या केएल राहुल को वनडे टीम की कप्तानी दी जा सकती है।

राहुल या पंड्या कर सकते हैं कप्तानी

रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारत का टी-20 कप्तान चुनना बाकी है। यह जिम्मेदारी हार्दिक पंड्या को सौंपी जा सकती है। वे टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के वाइस कैप्टन थे। इस दौरे पर विकेटकीपर बैटर केएल राहुल वनडे में टीम को लीड करते दिख सकते हैं। 29 जून को वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया वर्तमान में जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां सिलेक्टर्स ने शुभमन गिल की कप्तानी में युवा टीम भेजी है। इस दौरे से सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और मलेशिया ने मेजबानी से कर दिया है इनकार

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: फेडरेशन लेगा आयोजन पर अंतिम फैसला

ग्लासगो. एजेंसी

यदि 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए कोई मेजबान देश नहीं मिला तो ग्लासगो इन खेलों का आयोजन कर सकता है। रिपोर्ट के तहत, ग्लास्गो ने एक साल बाद होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने की इच्छा जताई है। पहले, इन खेलों का आयोजन ऑस्ट्रेलियाई शहर विक्टोरिया में होना था, लेकिन बढ़ती लागत के कारण विक्टोरिया ने खेलों की मेजबानी से हाथ खींच लिए। इसके बाद सिंगापुर व मलेशिया ने संयुक्त मेजबानी के लिए दावा पेश किया था, लेकिन पिछले सप्ताह दोनों देशों ने भी अपना नाम वापस ले लिया। कॉमनवेल्थ गेम्स स्कॉटलैंड (सीजीएस) ने कहा, हमने जो प्रस्ताव दिया है, उसमें सार्वजनिक फंड के इस्तेमाल की मांग शामिल नहीं है। इसके अलावा, हमने खेलों की संख्या घटाने का प्रस्ताव भी दिया है। बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में 20 खेल शामिल थे, जबकि हमने 10 से 13 खेलों का प्रस्ताव दिया है। ग्लास्गो के पास कॉमनवेल्थ गेम्स जैसा बड़ा आयोजन कराने का अनुभव भी है। इससे पहले, ग्लास्गो 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन कर चुका है। उस दौरान कुल 18 खेलों का आयोजन हुआ था और करीब 4,500 एथलीटों ने भाग लिया था। बढ़ते बजट के

कारण मेजबानी से कतरा रहे देश पिछले कुछ सालों में खेलों के बढ़ते बजट के कारण कई देशों ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी से हाथ वापस खींच लिए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, सिंगापुर और घाना जैसे देश शामिल हैं। इन खेलों की मेजबानी सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया शहर को मिली थी। लेकिन लगातार बढ़ते बजट के कारण उसने मेजबानी करने से इंकार कर दिया।

खिलाड़ी रचिन रवींद्र को न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला

नईदिल्ली. एजेंसी

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान कर दिया है। इस नए कॉन्ट्रेक्ट में जहां एक ओर कुछ दिग्गज शामिल नहीं किए गए हैं, वहीं नए और युवा खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसमें रचिन रवींद्र को पहली बार शामिल किया गया है। पहले की ही तरह इस बार भी ट्रेंट बोल्ट को इसमें शामिल नहीं किया गया है, वहीं केन विलियमसन को भी इससे बाहर रखा गया है। इससे पहले केन विलियमसन ने भी कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से मना कर दिया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 20 खिलाड़ियों की एक लिस्ट जारी की है, इसमें रचिन के अलावा बेन सियर्स, विलियम ओ%रूर्के और जैकब डफी का भी नाम इसमें शामिल किया है। वहीं पिछले साल सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर रहने वाले स्पिनर

एजाज पटेल को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है। रचिन के इस लिस्ट में शामिल होने की संभावना पहले ही जताई जा रही थी। पिछले साल भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने कई बेहतरीन पारियां खेली थीं। उन्होंने 578 रन बनाए थे। उन्हें 2023 के लिए आईसीसी इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। इसके बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट अवार्ड्स में सर रिचर्ड हैडली मेडल पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

'सफलता के लिए टीम का माहौल अच्छा होना जरूरी'

नईदिल्ली, एजेंसी

आइसीसी टी-20 विश्व कप चैंपियन बनने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि कोचिंग का मतलब परिणाम के पीछे भागना नहीं बल्कि टीम के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है और यही सफलता का गुरुमंत्र है। द्रविड़ का कार्यकाल विश्व कप के बाद खत्म हो गया है और उन्होंने दोबारा अप्लाई भी नहीं किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कोचिंग को लेकर अपनी सोच और भारतीय टीम के साथ बिताए पलों को साझा किया। साथ ही उन्होंने रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें शानदार कप्तान और बेहतरीन इंसान बताया। द्रविड़ ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा को एक युवा खिलाड़ी से विश्व चैंपियन कप्तान बनते देखना सुखद अहसास है। उन्होंने कहा,

रोहित को मैं बचपन से जानता हूं। मैंने उन्हें एक इंसान और एक कप्तान के तौर पर विकसित होते हुए देखा है। एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने पिछले 10-12 सालों में टीम के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही द्रविड़ ने कहा कि वह टीम में बहुत बदलाव करने के पक्ष में कभी नहीं रहे।

कोचिंग का मतलब परिणाम के पीछे भागना नहीं होता: द्रविड़ ने कहा, एक कोच के तौर पर मेरा काम कप्तान की सोच को साकार करना और वह टीम को जिस नजरिए के साथ चलाना चाहता है, उसमें मदद करना है। हां, यह सही है कि परिणाम का महत्व है लेकिन मेरा मानना है कि परिणाम कई और चीजों पर भी निर्भर करता है। साथ ही उन्होंने कहा, मेरी जिम्मेदारी ड्रेसिंगरूम में पेशेवर और सुरक्षित माहौल बनाना था, जिसमें विफलता का डर नहीं हो। हालांकि यह आसान नहीं था लेकिन मेरी कोशिश हमेशा से ऐसा माहौल बनाने की रही।

बीसीसीआई दुबई या श्रीलंका में मैच कराने के लिए आईसीसी से अपील कर सकता है

चैंपियंस ट्रॉफी- भारत के पाकिस्तान जाने के आसार नहीं

कैलगरी, कनाडा, एजेंसी

फरवरी 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भारत की टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई भारत के मैच पाकिस्तान की जगह दुबई में या श्रीलंका में कराने के लिए आईसीसी से कहेगा। सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। अभी बीसीसीआई ने इस पर ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है। पिछले साल पाकिस्तान में हुई एशिया कप सीरीज में खेलने भी भारत नहीं गया था। भारत के मैच तब श्रीलंका में कराए गए थे।

तय किया 15 मैचों का कार्यक्रम

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अगले साल 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगा, जिसमें 10 मार्च फाइनल के लिए रिजर्व डे होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट के 15 मैचों का ड्राफ्ट आईसीसी को भेज दिया है। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 8 टीमों के बोर्ड से सहमति लेने के बाद ही इस शेड्यूल को अप्रूव करेगा। पाकिस्तान 1 मार्च 2025 को लाहौर में सबसे बड़े राइवल भारत से भिड़ सकता है। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक इस मैच के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। 1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

लाहौर में कराने का प्रस्ताव भेजा था

रिपोर्ट के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने 15 मैचों का शेड्यूल आईसीसी को भेजा है। जिसमें भारत के सभी मैच सुरक्षा कारणों की वजह से लाहौर में रखे गए हैं। 15 मैचों की चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया है। लाहौर में सात, कराची में तीन और रावलपिंडी में पांच मैच होंगे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

लोगों ने सोशल मीडिया पर कटरीना का नाम लेकर विक्की कौशल की जमकर खिंचाई की

बॉलीवुड इंडस्ट्री के स्टार्स विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने साल 2021 में शादी की थी। इस कपल ने शादी से पहले एक-दूसरे को काफी समय तक डेट किया था, हालांकि कभी इस पर बात नहीं की थी। फिलहाल, विक्की कौशल और कटरीना कैफ अपनी मैरिड लाइफ को एंजॉय कर रहे हैं। वहीं, विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैड न्यूज के प्रमोशन में बिजी हैं। 19 जुलाई को रिलीज होने वाली इस फिल्म का लोग इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच विक्की कौशल की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर लोग उनकी कटरीना कैफ का नाम लेकर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इंडस्ट्री के स्टार विक्की कौशल अपनी फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चा में बनी हुए हैं। विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी फिल्म बैड न्यूज के गाने जानम का टीजर शेयर किया है। टीजर में विक्की कौशल अपनी को-स्टार तृप्ति डिमरी के साथ इंटीमेट होते नजर आ रहे हैं। दोनों पूल में नजर आए और जमकर रोमांटिक पोज दिए। विक्की कौशल की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, कटरीना भाभी कैसे बर्दाश्त कर लेती हो? एक यूजर ने लिखा है, कटरीना बहन हम नहीं सहते। एक यूजर ने लिखा है, विक्की भाई कटरीना भाभी का डर नहीं है। एक यूजर ने लिखा है, कटरीना तुम्हे ढूंढ रही हैं। इस तरह से लोगों ने कटरीना कैफ का नाम लेकर विक्की कौशल की जमकर खिंचाई की है। वहीं, फिल्म बैड न्यूज के गाने जानम को देखने के लिए भी उतावले हो रहे हैं। आनंद तिवारी के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म बैड न्यूज में विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के अलावा एमी विर्क भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म बैड न्यूज का ट्रेलर रिलीज होने का बाद लोग इसके लिए बेसब्र हो रहे हैं। फिल्म बैड न्यूज 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शादी के बाद भी ऋषि कपूर ने नीतू कपूर को किया था चीट

नीतू कपूर ने अपनी एक्टिंग से हमेशा फैंस का दिल जीता है. इसी वजह से आज भी वो फैंस के बीच पॉपुलर हैं. नीतू कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रही हैं. नीतू कपूर और ऋषि कपूर की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी. ऋषि कपूर के इस दुनिया से जाने के बाद भी एक्ट्रेस उन्हें याद करती रहती हैं. नीतू कपूर अक्सर ऋषि कपूर के साथ अपने बॉन्ड को लेकर बात करती नजर आती हैं. एक बार नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बारे में बात की थी. उन्होंने उनके अफेयर को भी जस्टिफाई भी किया था. ऋषि कपूर के शादी के बाद भी अफेयर थे. उन्हें लगता था कि उनके अफेयर के बारे में नीतू कपूर को पता नहीं चलता था लेकिन एक्ट्रेस को सब पता होता था. उन्होंने इस बारे में ऋषि कपूर से बात भी की. इतना ही नहीं उन्होंने उनसे दूरी भी बना ली थी. रिपोर्ट्स की माने तो नीतू कपूर ने अपने पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को वन नाइट स्टैंड कहा था. कई बार नीतू और ऋषि का उनके अफेयर को लेकर झगड़ा भी हुआ करता था. मगर बाद में उन्हें ऋषि कपूर की हरकतों से फर्क पड़ना बंद हो गया था. उन्होंने पति ऋषि कपूर को इग्नोर करना शुरू कर दिया था और उनसे दूर रहने लगी थीं. ऋषि कपूर के रिश्ते को लेकर नीतू कपूर ने एक बार कहा था- मुझे कॉन्फिडेंस था कि ऋषि मेरे बिना नहीं रह पाएंगे.

बॉबी देओल सालों तक रहे बेरोजगार, फिर पलटी किस्मत और आज वसूलते हैं करोड़ों

किसी ने ये बिल्कुल सही कहा है कि कुछ भी परमानेंट नहीं रहता है. इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में तो ये बात बिल्कुल सटीक बैठती है यहां आज जो सितारे सफल हैं उन्हें फ्लॉप होते और फेम खोते भी देर नहीं लगती. वहीं जो असफल हैं उनकी किस्मत एक फिल्म हिट होने से चमक जाती है. साफ है कि सफलता और असफलता एक सिक्के के दो पहलू हैं. आज इस आर्टिकल में हम ऐसे ही एक एक्टर और स्टार किड के बारे में बात करेंगे जिनकी बॉलीवुड में शानदार शुरुआत रही थी.इसके बाद उन्होंने कुछ हिट फ़ल्में भी दी लेकिन फिर वो मुकाम भी आया जब इनका करियर ढलान पर चला गया. फिल्मों के ऑफर कम होते चले गए और इस अभिनेता ने खुद को शराब की लत में डूबो लिया. ये एक्टर कई सालों तक बेरोजगार रहा. लेकिन फिर किस्मत का सितारा चमका और एक सच्चा दोस्त इनके लिए मसीहा बन गया. हम जिस अभिनेता की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के हीमैन यानी धर्मेंद्र के बेटे और सनी देओल के छोटे भाई बॉबी देओल हैं. हम जिस अभिनेता की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के हीमैन यानी धर्मेंद्र के बेटे और सनी देओल के छोटे भाई बॉबी देओल हैं. हालांकि बॉबी का ये स्टारडम ज्यादा दिन नहीं रहा उनके करियर में गिरावट आनी शुरू हो गई थी. दरअसल कुछ गलत फिल्मों के सिलेक्शन ने उनके करियर को नुकसान पहुंचाया. इस दौरान बॉबी की दो मल्टी-स्टारर फिल्म 'अपने' और 'यमला पगला दीवाना' सुपरहिट भी रही. इन फिल्मों को देओल्स तिकड़ी के कारण पसंद किया गया था लेकिन इन फिल्मों की मिली सफलता का बॉबी को कोई फायदा नहीं हुआ और वे फिल्म निर्माताओं की नजरों से दूर ही रहे. इसके बाद 'गुप्त' स्टार कई सालों तक बेरोजगार थे और इस बात का खुलासा उन्होंने खुद किया था. असफलता से निपटने के लिए बॉबी ने शराब का सहारा लिया और जल्द ही वह शराबी बन गए. बता दें कि असफलता के चलते शराब में डबू चुके बॉबी देओल की लाइफ में सलमान खान मसीहा बनकर आए.

मेट्रो बाजार

ओला ने गूगल मैप को कहा अलविदा, अब बचेंगे सकेंगे 100 करोड़ रुपए

नईदिल्ली, एजेंसी

देश की दिग्गज कैब कंपनी ओला ने बड़ा फैसला लेते हुए गूगल मैप्स की सेवाओं को अलविदा कह दिया है. ओला ग्रुप के चेयरमैन भावीश अग्रवाल ने कहा है कि इस कदम से कंपनी को सालाना 100 करोड़ रुपये बचाने में मदद मिलेगी. अब कंपनी गूगल मैप्स की बजाय कंपनी के द्वारा विकसित ओला मैप्स का ही इस्तेमाल करेगी. पिछले ही महीने ओला ने अजूर को भी अलविदा कह दिया था. भावीश अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमने कड़ी मेहनत के बाद ओला मैप्स को पूरी तरह से विकसित कर लिया है. यह पूरी तरफ से देश में ही विकसित सर्विस है. इसके साथ ही हम गूगल मैप्स की सेवाओं का इस्तेमाल बंद कर रहे हैं. हम हर साल गूगल मैप्स को लगभग 100 करोड़ रुपये का भुगतान करते थे. अब यह खर्च जीरो हो जाएगा. हमारे ड्राइवर अब गूगल मैप्स की बजाय ओला मैप्स का ही इस्तेमाल करेंगे. ओला ग्रुप के चेयरमैन ने लिखा कि हम माइक्रोसॉफ्ट अजूर से मई में ही दूरी बना चुके हैं. ओला ने अपना काम कंपनी द्वारा ही विकसित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म कृत्रिम को सौंप दिया है. भावीश अग्रवाल ने मई में ट्वीट किया था कि कोई भी डेवलपर, जो अजूर से अलग होकर काम करना चाहेगा, उसे हम एक साल की फ्री क्लाउड सर्विस उपलब्ध कराएंगे. हम अजूर से अलग होने वालों का पूरा साथ देंगे. ओला मैप्स की एपीआई कृत्रिम क्लाउड पर मौजूद है. इसके तहत आपको लोकेशन सर्विस का पूरा लाभ मिलेगा. ओला मैप्स में आपको नेविगेशन एपीआई, प्लेसेस एपीआई, टाइल्स एपीआई और राउटिंग एपीआई उपलब्ध कराई जाएंगी. यह सेवा एंड्रॉइड के साथ ही आईओएस प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है. ओला ने अक्टूबर, 2021 में पुणे की जिओस्पोक कंपनी को खरीद लिया था. इसके बाद से ही वह लगातार ओला मैप्स को लॉन्च करने की तैयारियों में जुटे हुए थे. ओला इलेक्ट्रिक के टू व्हीलर्स में भी ओला मैप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है.

अब अंबानी लाएंगे देश का सबसे बड़ा आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में आईपीओ पर मचा घमासान आने वाले दिनों में और तेज होने वाला है. अगले कुछ महीने में शेयर बाजार में कई भारी-भरकम आईपीओ देखने को मिल सकते हैं और एलआईसी का सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड मीलों पीछे छूट सकता है.

खबरों की मानें तो आईपीओ बाजार में तेज हुई गतिविधियों के बीच अब देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी भी रेस में उतरने की तैयारी कर रहे हैं. ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो इंफोकॉम आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है. रिपोर्ट में आईपीओ के साइज को लेकर भी इशारा किया गया है और कहा गया है कि वह 55 हजार करोड़ रुपये से भी बड़ा हो सकता है. अभी देश के सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड एलआईसी के नाम है. सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी मई 2022 में आईपीओ लेकर आई थी, जिसका साइज करीब 21 हजार करोड़ रुपये था. एलआईसी ने भारत के सबसे बड़े आईपीओ के मामले में पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो नवंबर 2021 में 18,300 करोड़ रुपये का आईपीओ लाई थी. अब दो साल के अंतराल के बाद एलआईसी का सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड खतरे में है. वह रिकॉर्ड रिलायंस जियो का आईपीओ आने से पहले ही टूट सकता है. दक्षिण कोरिया की वाहन कंपनी हुंडई भी अपनी लोकल सब्सिडियरी हुंडई इंडिया का

जहरीली दवाई खाकर महिला ने की आत्महत्या

परिजन बोले गलती से दवा समझकर खा ली गोली

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित गांव मुगालिया छाप में मंगलवार रात एक महिला ने जहरीला दवाई खा ली। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह करीब 9 बजे उसकी मौत हो गई। परिजन का कहना है कि मंगलवार रात बिजली कटी थी। उस समय उन्होंने गलती से गेहूं में रखने वाली गोली खाई है। परिजन की बात पुलिस के गले नहीं उतर रही है। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार लक्ष्मीबाई पति राधेश्याम राठौर (46) मुगलिया छाप, रातीबड़ में रहती थी। उनके चार बच्चे हैं। परिवार मजदूरी कर जीवन यापन करता है। परिजन ने बताया कि मंगलवार रात बिजली कटी थी। इस बीच लक्ष्मीबाई ने गलती से गेहूं में रखने वाली गोली खा ली। उल्टियां करने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल से सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने महिला के बयान दर्ज करने चाहे थे, लेकिन वह बयान देने की स्थिति में नहीं थी। बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई। पीएम कराने के बाद पुलिस ने परिजन को शव सौंप दिया है। परिजन का कहना है कि लक्ष्मीबाई को कोई भी परेशानी थी। वह आत्महत्या नहीं कर सकती हैं उन्होंने गलती से गोली खाई है।

सीढ़ियों से गिरकर युवक की मौत

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित सेवा सदन के पास सीढ़ियों से गिरकर एक युवक घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक सुरेश शिवनानी (41) सेवा सदन के पास बैरागढ़ में रहते थे और किराना दुकान चलाते थे। मंगलवार की रात करीब 9 बजे वह मकान की पहली मंजिल से नीचे उतरते समय सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गए थे। उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। सुरेश को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां बुधवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जहरीला पदार्थ पीकर युवक ने दी जान

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित वर्षा कॉलोनी में कल बुधवार शाम एक युवक ने जहरीला पदार्थ पीकर जान दे दी। उसके पास से सुसाइड नोटनहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन से पूछताछ में आत्महत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। एसआई नवीन कुमार ने बताया कि अजीत जैन पिता प्रकाश जैन (42) वर्षा कॉलोनी, बैरसिया में रहता था और बेरोजगार?था। परिजन ने बताया कि बुधवार शाम करीब पांच बजे वह उल्टियां कर रहा था। उससे उल्टियां करने का करण पूछा तो उसने बताया कि जहर पी लिया है। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे, वहां करीब डेढ़ घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई।

राइड कैंसिल होने पर रैपिडो ड्राइवर ने दी धमकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र में एक रेपिडो ड्राइवर ने बुकिंग कैंसिल करने से नाराज होकर युवक से गालीगलौज कर दी। इतना ही नहीं आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दे दी। पुलिस ने युवक की शिकायत पर रेपिडो ड्रायवर पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाले कृष्णा श्रीवास्तव ने 13 जुलाई को कोटरा सुल्तानाबाद से लालघाटी के लिए रैपिडो बाइक बुक की थी। कुछ देर बाद उन्हें अचानक काम आने के कारण उन्होंने राईड कैंसिल कर दी। उसके बाद रैपिडो चालक ने उनके साथ मोबाइल पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कृष्णा ने इसकी शिकायत रैपिडो एप के हेल्पलाइन नंबर पर की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसके बाद उन्होंने थाने जाकर मामले की शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

गाड़ी को धक्का लगा रहे युवक को कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा इलाके में वाशिंग के लिए एक गाड़ी को धक्का लगा रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल के साथी की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अरशद अली (42) साजिदा नगर करबला रोड कोहेफिजा में रहते हैं और कार वाशिंग का काम करते हैं। उनके यहां इशरार खान निवासी कुम्हारपुरा जहांगीराबाद काम करता है। गत दिवस एक कार वाशिंग के लिए दुकान पर आई थी। अरशद अली कार के अंदर बैठकर स्टेरिंग संभाल रहे थे, जबकि इशरार खान गाड़ी को धक्का लगा रहा था। इसी बीच शहीद नगर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने इशरार को टक्कर मार दी, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई। हादसा होते देख आसपास के लोग दौड़े, लेकिन टक्कर मारने वाला कार चालक वाहन लेकर भाग निकला। अरशद अली घायल इशरार को इलाज के लिए गौतम नगर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां उसका इलाज चल रहा है। उसे अस्पताल में भर्ती कराने के बाद अरशद ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

ट्रैक्टर ने मारी बुजुर्ग को टक्कर

भोपाल। कोलार इलाके में पैदल जा रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति को ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल व्यक्ति के बेटे की रिपोर्ट पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्रकण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र गाठे बारह नंबर स्टाप, इंद्रानगर हबीबगंज में रहते हैं और ड्रायवरी करते हैं। जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि उनके पिता विक्रम गाठे (60) को 26 जून को बांसखेड़ी कोलार रोड पर रहने वाले रिश्तेदार से मिलने गए थे। अगले दिन सुबह करीब साड़े नौ बजे वह पैदल अपने घर लौट रहे थे। बांसखेड़ी स्थित श्मशान घाट के पास एक ट्रैक्टर चालक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह रोड पर गिर पड़े. गिरने से उनके हाथ-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने विक्रम गाठे को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया।

झमाझम बारिश से खुशनुमा हुआ मौसम

भोपाल. राजधानी में पिछले दो दिनों से तेज बारिश का दौर चल रहा है। गुरुवार सुबह को आसमान पर घने बादल मंडराते रहे। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल मौसम इसी तरह रहेगा। इस समय मानसून ट्रफ प्रदेश से होते हुए गुजर रही है, साथ ही अरब सागर, बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित इमलिया नरेंद्र गांव में बुधवार दोपहर ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक समाज युवक की मौत हो गई। घटना के समय वी अयोध्या नगर से बैरसिया स्थित इमलिया गांव अपनी ससुराल जा रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार सुनील विश्वकर्मा पिता शिवचरण विश्वकर्मा (34) राजीव नगर अयोध्या नगर में रहता था। सुनील कारपेंटर का काम करता था। करीब 3 साल से उसकी पत्नी से अनबन चल रही थी। उसकी पत्नी बेरसिया स्थित इमलिया गांव में रहती हैं। पत्नी और बच्चों के अलग रहने के कारण सुनील अक्षर बच्चों से मिलने इमलिया जाता था। कल बुधवार सुबह भी वह बच्चों से मिलने बाइक से इमलिया जा रहा था। नरेंद्र इमलिया गांव पहुंचते ही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने करीब 2ः00 बजे के आसपास उसे चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल सुनील को एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया था। वहां करीब 3 घंटे चले इलाज के बाद डॉक्टर ने उसे मृत तो घोषित कर दिया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, शादी से मुकरा बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र में एक युवती दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि दो साल से आरोपी शादी का प्रलोभन देकर उसका दैहिक शोषण कर रहा था और अब शादी करने की बात से मुकर गया। पीड़िता ने घटना की शिकायत अपने नजदीकी थाने सीहोर में की थी। घटनास्थल हबीबगंज थाना क्षेत्र का होने के कारण केस डायरी हबीबगंज पुलिस को सौंप दी गई है। पुलिस के अनुसार 25 साल की युवती हबीबगंज इलाके में किराए से रहती हैं और मूलतः सीहोर की रहने वाली है। वह यहां रहकर निजी अस्पताल में नौकरी करती है। करीब दो साल पहले सोशल मीडिया पर उसकी दोस्ती अरविंद अहिरवार से हुई थी। सोशल मीडिया पर दोस्ती होने के बाद दोनों मिलने जुलने लगे। एक ही समाज के होने के कारण अरविंद अहिरवार ने उसे शादी का प्रलोभन दिया और उसका दैहिक शोषण करने लगा। गत दिनों युवती ने उस पर शादी का दबाव बनाया तो उसने शादी करने से इंकार कर दिया। युवती ने घटना की जानकारी सीहोर पहुंचकर परिजन को दी थी। परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

सर्पदंश से प्राइमरी स्कूल के शिक्षक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव ललरिया में प्राइमरी स्कूल के शिक्षक को सांप ने काट लिया। उन्हें पैर में दो जगह सांप ने काटा था। परिजन उन्हें लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। ललरिया चौकी प्रभारी शंभू सिंह सेंगर ने बताया कि मोहम्मद शरीफ खान पिता मंजूर खान (56) गांव ललरिया में रहते थे और यहीं प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थे। मुहर्रम की छुट्टी होने के कारण वह बुधवार सुबह खेत गए थे। खेत पर पहुंचते ही उन्हें सांप ने कांट लिया। उन्हें पैर में दो जगह सांप ने काटा था। उस समय खेत पर उनका भतीजा युनूष खान भी था। उन्होंने शोर मचाकर युनूष को सांप के काटने की जानकारी दी। युनूष चाचा को परिवार के साथ हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा था, वहां इलाज के दौरान शाम करीब चार बजे के आसपास उनकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

मेट्रो एंकर दोस्त की बहन की शादी में शामिल हुआ था युवक, बारातियों का आपस में हुआ विवाद

बारातियों को समझाने पहुंचे युवक पर चाकू से हमला, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित पोल फैक्ट्री के पास आपस में विवाद कर रहे बारातियों को समझाने पहुंचे युवक पर अज्ञात बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने घायल की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार मिलन दुबे (24) नीलबड़ मेन रोड चौराहा रातीबड़ में रहता है। गत पंद्रह जुलाई की रात वह अपने दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने पोल फैक्ट्री के पास रातीबड़ पहुंचा था। बारात बैरागड़ से आई थी। रात करीब साड़े 10 बजे बारात जब दरवाजे पर पहुंची तो कुछ बारातियों का आपस में विवाद हो गया। इस पर वह एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज करते हुए टेंट की कुर्सियां उठाकर मारपीट और तोड़फोड़ करने लगे। मिलन और उसके साथी बारातियों को समाझाने पहुंचे और उन्हें किसी तरह अलग-अलग किया। उसके बाद मिलन जैसे ही वापस जाने के लिए पलटा, वैसे ही किसी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। दाहिने हाथ की भुजा और कमर के पिछले हिस्से में चाकू लगने से उसे गंभीर चोट आई है। चाकू लगने के बाद वहां से विवाद कर रहे बाराती निकल गए। दोस्तों ने मिलन को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, वहां से उसे हमीदिया रैफर कर दिया। हमीदिया अस्पताल में प्राथमिक इलाज कराने के बाद मिलने दुबे ने रातीबड़ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022